तापमान
अधिकतम 38.0 डिग्री से.
न्यूनतम 19.0 डिग्री से.

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, रविवार 14 जून 2026

11 योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं : डॉ. सुरेश सैनी

12 709 राजकीय विद्यालयों की छतों पर लगेंगे सोलर पावर ..

खबर संक्षेप

बिना होलोग्राम वाली अंग्रेजी शराब मामले में एक गिरफ्तार

सोनीपत। सेक्टर-27 थाना पुलिस ने बिना वैध होलोग्राम लगी अंग्रेजी शराब बरामद होने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान गांव खेवड़ा निवासी भव्य के रूप में हुई है। अदालत ने उसे एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। आबकारी विभाग के निरीक्षक अशोक की शिकायत पर दर्ज मामले में पुलिस जांच कर रही है। शिकायत के अनुसार 1 जून की रात अग्रसेन चौक स्थित एक शराब ठेके के निरीक्षण के दौरान विभिन्न ब्रांडों की अंग्रेजी शराब बिना वैध होलोग्राम के पाई गई थी। मौके से 44 बोतल, 35 हाफ बोतल और सात निप्स बरामद किए गए थे। मामले में आबकारी अधिनियम के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। पुलिस का कहना है कि रिमांड के दौरान शराब के स्रोत और मामले से जुड़े अन्य लोगों के बारे में पूछताछ की जाएगी।

युवक के घर पर फायरिंग करने का आरोपी गिरफ्तार

गन्नौर। गांव गुमड़ में युवक के घर के बाहर फायरिंग कर जानलेवा हमला करने के मामले में थाना गन्नौर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान अरमान खुबडु, निवासी गांधी नगर गन्नौर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार 10 जून की रात कुनाल के घर के बाहर पुरानी रंजिश के चलते आरोपियों ने फायरिंग की थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि आरोपी पहले फोन पर गाली-गलौज करते रहे और बाद में साथियों के साथ घर पहुंचकर कई राउंड गोलियां चलाईं। एक गोली खिड़की के शीशे में लगी, जबकि अन्य गोलियों से शिकायतकर्ता बाल-बाल बच गया। घटना में कार का शीशा भी क्षतिग्रस्त हो गया था। पुलिस ने हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। कोर्ट ने उसे दो दिन के रिमांड पर भेजा है।

21 जून को आठ केंद्रों पर 2569 अभ्यर्थी देंगे नीट परीक्षा

परीक्षा की पारदर्शिता और सुरक्षा के लिए प्रशासन अलर्ट, 20 को होगी मॉक ड्रिल

सीसीटीवी, जैमर, सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था की होगी विशेष निगरानी

दोपहर 1.30 बजे तक ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश मिलेगा, नोडल अधिकारी रहेंगे तैनात

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

- मुख्य सचिव ने वीसी से बैठक लेकर तैयारियों की समीक्षा की
- परीक्षार्थियों की मदद के लिए सेंटरों पर बनेंगे हेल्प डेस्क

सोनीपत। मुख्य सचिव के साथ वीसी से बैठक करते जिले के वरिष्ठ अधिकारी।

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) की ओर से 21 जून को आयोजित होने वाली नीट-यूजी 2026 परीक्षा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिले में आठ परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां 2569 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5.15 बजे तक होगी, जबकि अभ्यर्थियों को दोपहर 1.30 बजे तक ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश मिलेगा।

कड़ी सुरक्षा रहेगी

परीक्षा तैयारियों को लेकर शनिवार को हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी और एनटीए के महानिदेशक अभिषेक सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उपायुक्तों और संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने परीक्षा की गोपनीयता, निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सभी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने बताया कि 20 जून को सभी परीक्षा केंद्रों पर मॉक ड्रिल करवाई जाएगी। इस दौरान सीसीटीवी कैमरों, जैमर, बिजली आपूर्ति और अन्य व्यवस्थाओं की जांच की जाएगी ताकि किसी भी कमी को समय रहते दूर किया जा सके। उपायुक्त नेहा सिंह ने अधिकारियों को परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, बिजली, शौचालय, बैठने की व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान सभी व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी रखी जाएगी। परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए प्रत्येक केंद्र पर सिविल और पुलिस विभाग के एक-एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी। प्रश्नपत्रों की सुरक्षा के लिए स्ट्रॉन्ग रूम में कड़े सुरक्षा प्रबंध रहेंगे तथा सीसीटीवी निगरानी के साथ पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। परीक्षा के दिन शहर में विशेष ट्रैफिक प्लान लागू किया जाएगा।

परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा तथा प्रवेश के समय अभ्यर्थियों की फ्रिस्किंग की जाएगी। जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित कर सभी केंद्रों की गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। स्वास्थ्य विभाग को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है और प्रत्येक केंद्र के आसपास एंबुलेंस व मेडिकल टीम उपलब्ध रहेगी।

अभ्यर्थियों के लिए जरूरी निर्देश

अभ्यर्थियों को केवल एडमिट कार्ड, वैध पहचान पत्र और पारदर्शी पानी की बोतल साथ लाने की अनुमति होगी। मोबाइल फोन, ब्लूटूथ डिवाइस, स्मार्ट वॉच, हैंडबैग, बेल्ट और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण प्रतिबंधित रहेंगे। धार्मिक या पारंपरिक पोशाक पहनने वाले अभ्यर्थियों को निर्धारित समय से पहले केंद्र पर पहुंचना होगा

परीक्षा के लिए सेंटर

- मुरथल अड्डा स्थित पीएमश्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय
- मॉडल टाउन स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय
- राजकीय कन्या महाविद्यालय
- नाहरा स्थित पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय
- मुरथल स्थित पीएमश्री राजकीय कन्या विद्यालय
- मुरथल स्थित ताऊ देवीलाल राजकीय पीजी कन्या महाविद्यालय
- अकबरपुर बारोटा स्थित पीएमश्री राजकीय कन्या विद्यालय
- गढ़ी ब्राह्मणान स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय

ट्रैक्टर हटाने को लेकर विवाद ट्रांसपोर्टर पर जानलेवा हमला

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

कार्यालय में घुसकर लोहे की रॉड और सरियों से की पिटाई, गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

बहालगढ़ क्षेत्र में रास्ते से ट्रैक्टर-ट्रॉली हटाने को लेकर शुरू हुआ विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि कुछ लोगों ने एक ट्रांसपोर्टर के कार्यालय में घुसकर उस पर लोहे की रॉड और सरियों से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल ट्रांसपोर्टर को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ये था मामला

गांव बढ़खालसा निवासी सुमित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका खेवड़ा रोड स्थित एक गोदाम में ट्रांसपोर्ट कार्यालय है। शुक्रवार दोपहर वह कार्यालय में मौजूद थे। इसी दौरान पास में ट्रैक्टर-ट्रॉली से ईंटें उतारी जा रही थीं। सुमित ने अपनी गाड़ी निकालने के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली को रास्ते से हटाने का अनुरोध किया, जिस पर विवाद हो गया। शिकायत के अनुसार बहस के बाद वह अपने कार्यालय में चले गए, लेकिन कुछ देर बाद विनोद नामक व्यक्ति 5-6 युवकों के साथ वहां पहुंचा।

सभी के हाथों में लोहे की रॉड और सरिए थे। आरोप है कि उन्होंने कार्यालय में घुसकर सुमित पर हमला कर दिया और बेरहमी से पीटा। हमले में सुमित गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गए। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। परिजन उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले गए। पीड़ित ने आरोपियों से जान का खतरा बताते हुए पुलिस से सुरक्षा और सख्त कार्रवाई की मांग की है। बहालगढ़ थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

छोटा खांडा में मामा के घर आए युवक की चौबारे से गिरकर मौत

खरखौदा। गांव छोटा खांडा में मामा के घर आए एक युवक की चौबारे से गिरने के कारण मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार कथूरा निवासी 35 वर्षीय अमित अपनी मां महाबीरी के साथ छोटा खांडा स्थित अपने मामा के घर आया हुआ था। शुक्रवार रात भोजन करने के बाद परिवार के सभी सदस्य सो गए। अमित चौबारे में सो रहा था। देर रात करीब दो बजे वह लघुशंका के लिए उठा। इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह चौबारे से नीचे गली में जा गिरा। हादसे में उसके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। परिजन तुरंत उसे उपचार के लिए सिविल अस्पताल रोहतक ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बकरियां चोरी करने के मामले में आरोपी दबोचा

सोनीपत। बहालगढ़ थाना पुलिस ने बाड़े से 15 बकरियां चोरी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) निवासी समीर के रूप में हुई है। अदालत में पेश करने के बाद उसे दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस के अनुसार गांव बड़ोली निवासी कृष्ण ने 15 मार्च को शिकायत दर्ज कराई थी कि 13 फरवरी की रात उसने अपनी 30 बकरियों को लकड़ी के बाड़े में बंद किया था। अगले दिन सुबह बाड़े पर पहुंचने पर 15 बकरियां गायब मिलीं। शिकायत के आधार पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान बहालगढ़ थाना पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और अन्य सुरागों के आधार पर मामले का खुलासा करते हुए समीर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी से चोरी की गई बकरियों की बरामदगी तथा वारदात में शामिल अन्य पहलुओं के संबंध में पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और जल्द ही बकरियों की बरामदगी का प्रयास किया जाएगा।

न्यू जीवन नगर को मिलेगी नई पाइप लाइन वाटर बूस्टिंग स्टेशन की होगी चारदीवारी

■ वार्ड-11 में 1.19 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शुभारंभ

सोनीपत। विधायक निखिल मदान और मेयर राजीव जैन ने शनिवार को वार्ड नंबर-11 में करीब 1.19 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों का शुभारंभ किया। कबीरपुर पुलिया के निकट सेक्टर-12 स्थित वॉटर बूस्टिंग स्टेशन परिसर में नारियल फोड़कर कार्यों की शुरुआत की गई। विधायक निखिल मदान ने बताया कि लगभग 54 लाख रुपये की लागत से सेक्टर-12 वॉटर बूस्टिंग स्टेशन से न्यू जीवन नगर तक नई पेयजल पाइपलाइन बिछाई जाएगी। उन्होंने कहा कि न्यू जीवन नगर, जीवन नगर और तारा नगर के निवासियों को लंबे समय से पेयजल आपूर्ति संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। नई पाइपलाइन बिछने से क्षेत्र में जलापूर्ति व्यवस्था सुदृढ़ होगी और लोगों को पर्याप्त पानी उपलब्ध हो सकेगा। मेयर राजीव जैन ने बताया कि करीब 65 लाख रुपये की लागत से वॉटर बूस्टिंग स्टेशन की चारदीवारी का निर्माण किया जाएगा तथा परिसर में इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाई जाएंगी। इससे स्टेशन की सुरक्षा बढ़ेगी और पेयजल व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि नगर निगम शहर में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए लगातार विकास कार्य करवा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय स्क्वे मास्टर्स कप में अमित ने जीता कांस्य पदक

खरखौदा। पहलगाम (कश्मीर) में 9 से 11 जून तक आयोजित 13वें इंटरनेशनल स्क्वे मास्टर्स कप-2026 में द स्टैनफोर्ड स्कूल, थाना खुर्द के खिलाड़ी अमित आर्य ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओपन वेट वर्ग में कांस्य पदक जीता। अमित ने मुकाबले में इराक के खिलाड़ी को हराकर यह उपलब्धि अपने नाम की। विद्यालय के चेयरमैन उत्सव दहिया और निर्देशिका पूजा दहिया ने अमित को बधाई देते हुए कहा कि उनकी सफलता विद्यालय और क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि अमित की उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों को भी खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी। इस अवसर पर अध्ययन क्षेत्र प्रमुख योगेश वत्स, शिक्षिकाएं पूजा मलिक, बिंदिया, पूजा वत्स, काजल, प्रीति तथा शिक्षक अमित, अनिल और आदित्य राजपूत सहित स्टाफ सदस्यों ने अमित आर्य को वर्चुअल माध्यम से शुभकामनाएं दी।

■ इराक के खिलाड़ी को हराकर ओपन वेट वर्ग में बाजी मारी

ओपन गर्ल्स फुटबॉल टूर्नामेंट आज से

गन्नौर। ब्राइट फुटबॉल यूथ स्पोर्ट्स सोसायटी की ओर से 14 से 18 जून तक आरपीएस खेल मैदान में ओपन गर्ल्स नॉकआउट फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता में हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और मध्य प्रदेश की करीब 30 महिला टीमें हिस्सा लेंगी।

■ छह राज्यों की करीब 30 टीमें लेंगी भाग

आयोजक सुनील राठी ने बताया कि विजेता टीम को 31 हजार रुपये, उपविजेता को 21 हजार रुपये और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को 11 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। सभी मुकाबले योग्य महिला रेफरी की देखरेख में कराए जाएंगे।

10 दिन बाद शुरू हुई एलएफटी-केएफटी जांच, नागरिक अस्पताल के मरीजों को राहत

मशीन में तकनीकी खराबी के कारण बंद थीं लिवर व किडनी फंक्शन टेस्ट की सेवाएं

रोजाना करीब 250 मरीज हो रहे थे प्रभावित निजी लैब में करानी पड़ रही थी स्वास्थ्य जांच

■ नागरिक अस्पताल में प्रतिदिन लगभग 2,000 मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

सोनीपत। नागरिक अस्पताल की प्रयोगशाला के बाहर तक लगी जांच करवाने आए मरीजों की लाइन। फोटो : हरिभूमि

दिल्ली रोड स्थित नागरिक अस्पताल में पिछले 10 दिनों से बंद पड़ी लिवर फंक्शन टेस्ट (एलएफटी) और किडनी फंक्शन टेस्ट (केएफटी) की सुविधा शनिवार को दोबारा शुरू हो गई। इसके साथ ही मरीजों को बड़ी राहत मिली है, जिन्हें जांच न होने के कारण निजी प्रयोगशालाओं का सहारा लेना पड़ रहा था।

अस्पताल की प्रयोगशाला में जांच मशीन के एक पार्ट में तकनीकी खराबी आने से एलएफटी और केएफटी जांच प्रभावित हो गई थीं। इससे रोजाना करीब 250 मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। जांच सुविधा बहाल होते ही शनिवार को अस्पताल की प्रयोगशाला के बाहर मरीजों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। नागरिक अस्पताल में प्रतिदिन लगभग 2,000 मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। इनमें बड़ी संख्या में ऐसे मरीज होते हैं, जिन्हें चिकित्सक लिवर और किडनी संबंधी बीमारियों की पुष्टि के लिए एलएफटी और केएफटी जांच कराने की सलाह देते हैं।

उपकरणों का पर्याप्त स्टॉक बनाने के निर्देश

जांच सुविधा बंद होने के कारण कई मरीजों को निजी लैब में अतिरिक्त खर्च कर जांच करानी पड़ रही थी, जबकि कुछ मरीज आर्थिक कारणों से बिना जांच कराए ही लौट रहे थे। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार तकनीकी समस्या दूर कर दोनों जांच सेवाएं पुनः शुरू कर दी गई हैं। साथ ही भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने के लिए आवश्यक सामग्री और उपकरणों का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। विशेषज्ञों के अनुसार एलएफटी से लिवर की कार्यप्रणाली तथा हेपेटाइटिस, फैटी लीवर और सिरोसिस जैसी बीमारियों का पता लगाने में मदद मिलती है। वहीं केएफटी जांच किडनी की कार्यक्षमता का आकलन करने के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है, विशेषकर मधुमेह और उच्च रक्तचाप के मरीजों के लिए।

अवैध पिस्तौल व 62 कारतूस सहित युवक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

- पिस्तौल की मैगजीन में पांच कारतूस लोड मिले
- युवक से मिले पॉलिथिन में 57 अतिरिक्त कारतूस बरामद

थाना मोहाना पुलिस ने अवैध हथियार रखने के मामले में एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से देशी पिस्टल और 62 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपित की पहचान गांव भठगांव निवासी वेदप्रकाश के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार 12 जून को गश्त के दौरान टीम को सूचना मिली थी कि एक युवक गोहाना-सोनीपत रोड स्थित रत्नगढ़ मोड़ के पास अवैध हथियार के साथ खड़ा है।

सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध युवक को काबू किया। तलाशी के दौरान उसकी लोअर की जेब से एक देशी पिस्टल बरामद हुई। पिस्टल की मैगजीन में पांच कारतूस लोड मिले, जबकि एक पॉलिथीन से 57 अतिरिक्त जिंदा कारतूस बरामद किए गए। लाइसेंस मांगने पर आरोपित कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद शस्त्र अधिनियम के तहत थाना मोहाना में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया, जहां से उसे तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। मामले में पूछताछ जारी है।

गंगाना का युवक भी अवैध हथियार सहित गिरफ्तार

■ पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, न्यायिक हिरासत में भेजा

गोहाना। जिले के थाना बरोदा की पुलिस टीम ने अवैध हथियार की घटना मे संलिप्त आरोपित को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित गांव गंगाना निवासी विकास उर्फ निक्का है। बरोदा थाना में नियुक्त मुख्य सिपाही सोनू 12 जून को गश्त कर रहे थे। सूचना मिली कि विकास उर्फ निक्का पुत्र मुकेश के पास अवैध हथियार है जो गांव गंगाना के पास खड़ा है। पुलिस ने उसे काबू करके तलाशी ली तो उसके पास अवैध पिस्तौल मिला। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार करके न्यायालय मे पेश करके उसके आदेश पर उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

अश्लील हरकत का विरोध करने पर महिला पर चाकू से हमला

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

राई थाना क्षेत्र के एक गांव में महिला से अश्लील हरकत करने, जबरन संबंध बनाने का दबाव डालने और विरोध करने पर चाकू से हमला करने का मामला सामने आया है।

■ जबरन संबंध बनाने का दबाव डालने का आरोप, छह लोगों पर केस दर्ज

पुलिस ने मुख्य आरोपित समेत छह लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गांव के एक व्यक्ति ने उसके साथ अश्लील हरकतें कीं और जबरन संबंध बनाने का दबाव बनाया। महिला द्वारा विरोध किए जाने पर आरोपित ने उस पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसे चोटें आईं। महिला का आरोप है कि घटना के दौरान आरोपित की पत्नी और बच्चे भी उसके पक्ष में आ गए। सभी ने मिलकर उसे डराने-धमकाने और मामला दबाने का प्रयास किया। पीड़िता की शिकायत पर राई थाना पुलिस ने मुख्य आरोपित सहित छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। आरोपों की पुष्टि के आधार पर आगामी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

महंगाई व टैक्स के दौर में

एफडी क्या सचमुच बढ़ा रही है बचत

तैयारी
बिजनेस डेस्क

खास बातें

1. 5 प्रतिशत महंगाई के बीच एफडी कैसे बन रहा है सीमित कमाई का साधन
2. विशेषज्ञों ने दी निवेश की रणनीति बदलने की सलाह
3. सुरक्षित निवेश तो है, लेकिन लंबी अवधि में संपत्ति निर्माण के लिए अकेली एफडी काफी नहीं

फिक्स्ड डिपॉजिट आज भी पूंजी की सुरक्षा और स्थिर आय के लिए एक मजबूत विकल्प है, लेकिन केवल एफडी के भरोसे लंबी अवधि में बड़ी संपत्ति बनाना आसान नहीं है। महंगाई और टैक्स मिलकर इसके वास्तविक रिटर्न को काफी कम कर सकते हैं। इसलिए निवेशकों को अपनी जरूरत, लक्ष्य और जोखिम क्षमता के अनुसार एफडी के साथ अन्य निवेश विकल्पों का संतुलित उपयोग करना चाहिए। आखिरकार निवेश की असली सफलता बैंक बैलेंस बढ़ने में नहीं, बल्कि समय के साथ आपकी क्रय शक्ति बढ़ने में छिपी होती है।

भारत में फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) को लंबे समय से सुरक्षित और भरोसेमंद निवेश का प्रतीक माना जाता रहा है। निश्चित ब्याज, पूंजी की सुरक्षा और आसान प्रक्रिया के कारण लाखों निवेशक अपनी बचत एफडी में लगाते हैं। लेकिन बदलते आर्थिक माहौल में केवल ब्याज दर को देखकर निवेश का आकलन करना पर्याप्त नहीं रह गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी निवेश की वास्तविक सफलता इस बात से तय होती है कि वह महंगाई और करों का असर झेलने के बाद निवेशक की क्रय शक्ति को कितना बढ़ा पाता है। यदि एफडी पर मिलने वाला रिटर्न महंगाई दर के बराबर या उससे कम है, तो खाते में रकम बढ़ने के बावजूद वास्तविक लाभ सीमित रह जाता है। खासकर उच्च आयकर स्लैब वाले निवेशकों के लिए टैक्स कटने के बाद एफडी का रिटर्न और कम हो जाता है। ऐसे में यह सवाल महत्वपूर्ण हो गया है कि क्या एफडी केवल धन सुरक्षित रखने का साधन है या फिर वास्तव में संपत्ति निर्माण का भी प्रभावी माध्यम है।

पूंजी सुरक्षा के लिए बेहतर, लेकिन वेल्थ क्रिएशन के लिए जरूरी है विविध निवेश रणनीति

महंगाई क्यों कम कर देती है

- मान लीजिए किसी निवेशक को एफडी पर 6 प्रतिशत ब्याज मिलता है और उसी अवधि में महंगाई दर 5 प्रतिशत रहती है। ऐसे में निवेशक का वास्तविक लाभ केवल 1 प्रतिशत के आसपास रह जाता है।
- वित्तीय सलाहकार इसी कारण ₹रियल रिटर्न₹ पर जोर देते हैं। रियल रिटर्न का अर्थ है निवेश से मिलने वाला वास्तविक लाभ, जो महंगाई घटाने के बाद बचता है।
- रियल रिटर्न = निवेश पर रिटर्न – महंगाई दर
- यदि एफडी का ब्याज 4.9 प्रतिशत और महंगाई 5 प्रतिशत है, तो निवेशक की क्रय शक्ति बढ़ने के बजाय घट भी सकती है।

एसबीआई की एफडी दरें क्या बताती हैं?

- 5 प्रतिशत महंगाई को आधार मानें तो छह महीने तक की छोटी अवधि वाली कई एफडी योजनाएं महंगाई को मात देने में संघर्ष करती दिखाई देती हैं। इन पर मिलने वाला ब्याज 3.05 प्रतिशत से 4.9 प्रतिशत के बीच है।
- हालांकि 1 से 3 वर्ष की अवधि वाली एफडी अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में हैं। इस अवधि में एसबीआई करीब 6.25 से 6.4 प्रतिशत तक ब्याज दे रहा है, जिससे वास्तविक रिटर्न लगभग 1.25 से 1.4 प्रतिशत तक पहुंचता है। दिलचस्प बात यह है कि 5 से 10 वर्ष तक की लंबी अवधि की एफडी में भी महंगाई के बाद वास्तविक लाभ बहुत अधिक नहीं बढ़ता। यानी केवल लंबी अवधि के लिए पैसा लॉक करने से बड़ा लाभ मिलने की गारंटी नहीं है।

टैक्स के बाद और घट जाता है रिटर्न

महंगाई के अलावा टैक्स भी एफडी निवेशकों की कमाई को प्रभावित करता है। उदाहरण के लिए 6.4 प्रतिशत ब्याज वाली एफडी पर।

- शून्य टैक्स स्लैब में रिटर्नः 6.4%
- 20% टैक्स स्लैब में रिटर्नः 5.12%
- 30% टैक्स स्लैब में रिटर्नः 4.48%
- यानी 30 प्रतिशत टैक्स स्लैब वाले निवेशक के लिए 6.4 प्रतिशत का ब्याज प्रभावी रूप से 4.48 प्रतिशत रह जाता है, जो 5 प्रतिशत महंगाई से भी कम है। ऐसे में वास्तविक रिटर्न नकारात्मक हो सकता है।

लिक्विड फंड बन सकते हैं विकल्प

कम अवधि के निवेश के लिए लिक्विड फंड भी निवेशकों के बीच लोकप्रिय हो रहे हैं। उदाहरण के तौर पर, एक प्रमुख लिक्विड फंड ने पिछले एक वर्ष में 6.29 प्रतिशत रिटर्न दिया, जो अधिकांश एफडी योजनाओं के बराबर या उनसे बेहतर रहा। हालांकि एफडी की तरह लिक्विड फंड में रिटर्न की गारंटी नहीं होती। ये बाजार से जुड़े होते हैं और समय के साथ इनमें उतार-चढ़ाव संभव है।

फिर भी एफडी क्यों है पसंदीदा?

एफडी की लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण इसकी सुरक्षा और निश्चितता है। निवेशक को पहले से पता होता है कि उसे कब और कितना पैसा मिलेगा। एफडी विशेष रूप से इन लोगों के लिए उपयुक्त मानी जाती हैः

- सेवानिवृत्त व्यक्ति
- आपातकालीन फंड रखने वाले निवेशक
- 1 से 3 वर्ष के लक्ष्यों के लिए बचत करने वाले लोग
- कम जोखिम पसंद करने वाले निवेशक

कौन-कौन से विकल्प उपलब्ध हैं?

- बेहतर महंगाई-समायोजित रिटर्न की तलाश करने वाले निवेशक अपनी जोखिम क्षमता के अनुसार निम्न विकल्पों पर विचार कर सकते हैं। ■ लिक्विड फंड
- मनी मार्केट और शॉर्ट ड्यूरेशन डेट फंड
- आरबीआई फ्लोटिंग रेट सेविंग्स बॉन्ड
- लंबी अवधि के लिए इक्विटी म्यूचुअल फंड

हर महिला को जरूर अपनानी चाहिए ये 5 वेल्थ मैनेजमेंट टिप्स

बिजनेस डेस्क

आज की महिलाएं सिर्फ परिवार और करियर की जिम्मेदारियां ही नहीं निभा रहीं, बल्कि आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रही हैं। बदलते दौर में वित्तीय सुरक्षा और संपत्ति निर्माण महिलाओं की प्राथमिकताओं में शामिल हो चुका है। हालांकि, कई महिलाएं अभी भी निवेश, बीमा और रिटायरमेंट प्लानिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे पातीं, जिससे भविष्य में आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि सही वित्तीय योजना और अनुशासित निवेश के जरिए महिलाएं न केवल अपने वर्तमान को सुरक्षित बना सकती हैं, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए मजबूत आर्थिक आधार भी तैयार कर सकती हैं। नियमित निवेश, आपातकालीन फंड, पर्याप्त बीमा और वित्तीय निर्णयों में सक्रिय भागीदारी जैसे कदम महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाते हैं। आइए जानते हैं ऐसी पांच महत्वपूर्ण वेल्थ मैनेजमेंट टिप्स, जिन्हें अपनाकर महिलाएं अपने भविष्य को अधिक सुरक्षित और समृद्ध बना सकती हैं।

निवेश को करें ऑटोमेटिक

नियमित निवेश की आदत बनाने का सबसे आसान तरीका है निवेश को ऑटोमेट करना। इसके लिए सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) या फिर आरडी में निवेश कर सकते हैं और हर महीने नियमित निवेश कर सकते हैं। ऑटोमैटिक निवेश की सुविधा से करियर में बदलाव या आय में उतार-चढ़ाव के दौरान भी निवेश जारी रहता है। इससे समय के साथ कंपाउंडिंग का लाभ मिलता है और बिना ज्यादा निगरानी के अच्छी संपत्ति बनाई जा सकती है।

रिटायरमेंट के लिए अलग फंड बनाएं

रिटायरमेंट प्लानिंग को टालना भविष्य में आर्थिक परेशानी का कारण बन सकता है। ऐसे में करियर की शुरुआत से ही आय का एक हिस्सा रिटायरमेंट फंड के लिए अलग रखना चाहिए। इसके साथ ही बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य संबंधी खर्च और अन्य दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए भी अलग निवेश योजना बनाना फायदेमंद रहता है। समय-समय पर इन निवेशों की समीक्षा करना भी जरूरी है।

अपने फैसले खुद लें

आर्थिक आत्मनिर्भरता का मतलब सिर्फ कमाई करना नहीं, बल्कि अपने पैसों से जुड़े फैसले खुद लेना भी है। महिलाओं को निवेश, बचत, बीमा और टैक्स प्लानिंग जैसे विषयों की बुनियादी जानकारी रखनी चाहिए। जब आप अपने वित्तीय मामलों में सक्रिय भूमिका निभाती हैं, तो आत्मविश्वास बढ़ता है और महत्वपूर्ण आर्थिक निर्णयों के लिए दूसरों पर निर्भरता कम होती है।

वित्तीय फैसलों की जिम्मेदारी खुद लें

आर्थिक आत्मनिर्भरता का मतलब सिर्फ कमाई करना नहीं, बल्कि अपने पैसों से जुड़े फैसले खुद लेना भी है। महिलाओं को निवेश, बचत, बीमा और टैक्स प्लानिंग जैसे विषयों की बुनियादी जानकारी रखनी चाहिए। जब आप अपने वित्तीय मामलों में सक्रिय भूमिका निभाती हैं, तो आत्मविश्वास बढ़ता है और महत्वपूर्ण आर्थिक निर्णयों के लिए दूसरों पर निर्भरता कम होती है।

मजबूत इमरजेंसी फंड तैयार करें

जीवन में कब कौन सी चुनौती सामने आ जाए, इसका अनुमान लगाना मुश्किल है। नौकरी छूटना, स्वास्थ्य संबंधी समस्या या कोई अन्य अप्रत्याशित खर्च आर्थिक स्थिति को प्रभावित कर सकते हैं। ऐसे समय में इमरजेंसी फंड और पर्याप्त बीमा कवरेज ही काम आता है।

ईपीएफ का छिपा फायदा

8.25% ब्याज, लेकिन असली रिटर्न 11.8%

विशेषज्ञों का मानना है कि ईपीएफ केवल बचत का माध्यम नहीं, बल्कि रिटायरमेंट योजना की रीढ़ है। नियमित योगदान, चक्रवृद्धि ब्याज का लाभ, कर छूट और सरकारी निगरानी इसे एक भरोसेमंद निवेश बनाती है। यदि कर्मचारी नौकरी के शुरुआती वर्षों से ही ईपीएफ को गंभीरता से लें और बीच में निकासी से बचें, तो रिटायरमेंट तक एक बड़ा कोष तैयार किया जा सकता है।

तैयारी
बिजनेस डेस्क

भारत में नौकरीपेशा लोगों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) लंबे समय से रिटायरमेंट बचत का एक भरोसेमंद माध्यम रहा है। हर महीने वेतन से कटने वाली राशि और उस पर मिलने वाला ब्याज कर्मचारियों को भविष्य के लिए आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है। हालांकि कई लोग ईपीएफ को केवल एक अनिवार्य बचत योजना मानते हैं और इसकी तुलना म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार या अन्य निवेश विकल्पों से करते हुए इसे कम रिटर्न वाला निवेश समझ बैठते हैं। लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि ईपीएफ की वास्तविक ताकत केवल इसकी घोषित ब्याज दर में नहीं, बल्कि इसके साथ मिलने वाले कर लाभ और पूंजी सुरक्षा में छिपी है। वर्तमान में ईपीएफ पर 8.25 प्रतिशत की दर से ब्याज मिल रहा है। पहली नजर में यह रिटर्न सामान्य लग सकता है, लेकिन यदि कर लाभों को भी जोड़कर देखा जाए तो पुराने टैक्स रिजीम में 30 प्रतिशत टैक्स स्लैब वाले कर्मचारियों के लिए इसका प्रभावी रिटर्न लगभग 11.8 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। यही कारण है कि वित्तीय योजनाकार ईपीएफ को नौकरीपेशा लोगों के लिए सबसे मजबूत और सुरक्षित रिटायरमेंट निवेश विकल्पों में गिनते हैं।

टैक्स छूट, टैक्स-फ्री ब्याज और सुरक्षित निवेश का लाभ

आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत उसे लगभग 30 हजार रुपये तक की टैक्स बचत मिल सकती है। इसका मतलब यह हुआ कि कर्मचारी की जेब से वास्तविक रूप से केवल 70 हजार रुपये का खर्च हुआ, लेकिन ब्याज पूरे 1 लाख रुपये पर मिलेगा। 8.25 प्रतिशत की ब्याज दर के हिसाब से एक वर्ष में 8,250 रुपये का ब्याज प्राप्त होगा। यदि इस ब्याज को वास्तविक निवेश यानी 70 हजार रुपये के अनुपात में देखा जाए तो प्रभावी रिटर्न लगभग 11.8 प्रतिशत के बराबर बैठता है। यही वह गणित है जिसे कई कर्मचारी नजरअंदाज कर देते हैं और केवल घोषित ब्याज दर देखकर ईपीएफ के वास्तविक लाभ का आकलन नहीं कर पाते।

ईपीएफ की बड़ी ताकत है ईपीएफ टैक्स सुविधा

वित्तीय विशेषज्ञों के अनुसार EPF की सबसे बड़ी विशेषता इसका ईईई टैक्स ढांचा है। भारत में बहुत कम निवेश विकल्प ऐसे हैं जो यह तीनहरा लाभ प्रदान करते हैं। पहला लाभ निवेश के समय मिलता है। कर्मचारी द्वारा ईपीएफ में जमा की गई राशि पर धारा 80सी के तहत कर छूट का दावा किया जा सकता है। दूसरा लाभ निवेश अवधि के दौरान मिलता है। ईपीएफ खाते में जमा राशि पर मिलने वाला ब्याज पूरी तरह कर मुक्त होता है। तीसरा लाभ निकासी के समय मिलता है। यदि कर्मचारी ने पांच वर्ष या उससे अधिक समय तक लगातार सेवा की है, तो ईपीएफ से निकाली गई राशि भी कर मुक्त रहती है। यानी निवेश से लेकर निकासी तक तीनों चरणों में कर राहत मिलती है। यही वजह है कि ईपीएफ को कर-कुशल निवेश विकल्प माना जाता है।

कैसे बढ़ जाता है ईपीएफ का वास्तविक रिटर्न?

अधिकांश निवेशक किसी भी योजना का मूल्यांकन केवल उस पर मिलने वाले ब्याज या रिटर्न के आधार पर करते हैं। लेकिन ईपीएफ के मामले में यह तरीका पूरी तस्वीर नहीं दिखाता। इसकी वजह यह है कि ईपीएफ निवेश पर कर छूट का अतिरिक्त लाभ मिलता है। मान लीजिए कोई कर्मचारी एक वर्ष में ईपीएफ में 1 लाख रुपये का योगदान करता है। यदि वह पुराने टैक्स रिजीम में है और 30 प्रतिशत टैक्स स्लैब के अंतर्गत आता है, तो

नए टैक्स रिजीम में भी बना हुआ है आकर्षण

सरकार द्वारा लागू किए गए नए टैक्स रिजीम में धारा 80सी के तहत मिलने वाली अधिकांश कर छूट समाप्त कर दी गई है। ऐसे में कुछ लोगों को लगता है कि ईपीएफ का महत्व कम हो गया है। हालांकि ऐसा पूरी तरह सही नहीं है। भले ही नए टैक्स रिजीम में ईपीएफ योगदान पर कर छूट न मिले, लेकिन खाते में मिलने वाला ब्याज अभी भी कर मुक्त रहता है और निर्धारित शर्तों के तहत निकासी पर भी टैक्स नहीं लगता। इसलिए यह योजना आज भी रिटायरमेंट बचत के लिए एक आकर्षक विकल्प बनी हुई है। हालांकि वर्तमान नियमों के अनुसार कर्मचारी के 2.5 लाख रुपये से अधिक वार्षिक योगदान पर मिलने वाले अतिरिक्त ब्याज के एक हिस्से पर कर लगाया जा सकता है। यह प्रावधान मुख्य रूप से उच्च आय वाले कर्मचारियों पर लागू होता है।

सही होम लोन के चुनाव से मिलेगा बड़ा फायदा

मोरेटोरियम, नो-ईएमआई-टिल-पजेशन व बैलून पेमेंट से अति. लाभ | होम लोन का चयन करने से पहले विकल्पों को अच्छी तरह समझें

बिजनेस डेस्क

आज के समय में अपना घर खरीदना अधिकांश लोगों का सपना होता है, लेकिन लगातार बढ़ती प्रॉपर्टी कीमतों के कारण यह सपना पूरा करना आसान नहीं रह गया है। ऐसे में होम लोन लाखों लोगों के लिए घर खरीदने का सबसे बड़ा सहारा बनता है। हालांकि होम लोन लेते समय अधिकांश लोग केवल ब्याज दर और ईएमआई पर ध्यान देते हैं, जबकि बैंक और हाउसिंग फाइनेंस कंपनियां ग्राहकों की जरूरतों के अनुसार कई तरह के लोन विकल्प भी उपलब्ध कराती हैं। इन विकल्पों में मोरेटोरियम लोन, नो-ईएमआई-टिल-पजेशन स्कीम और बैलून पेमेंट लोन प्रमुख हैं। प्रत्येक योजना की अपनी विशेषताएं, फायदे और कुछ सीमाएं हैं। इसलिए किसी भी होम लोन का चयन करने से पहले इन विकल्पों को अच्छी तरह समझना जरूरी है।

मोरेटोरियम लोन देता है राहत

मोरेटोरियम लोन उन लोगों के लिए उपयोगी माना जाता है जो कुछ समय के लिए आर्थिक दबाव का सामना कर रहे हों या भविष्य में उनकी आय बढ़ने की संभावना हो। इस योजना में उधारकर्ता को एक निश्चित अवधि तक नियमित ईएमआई का भुगतान नहीं करना पड़ता। हालांकि यह सुविधा पूरी तरह मुफ्त नहीं होती। मोरेटोरियम अवधि के दौरान भी लोन पर ब्याज लगातार जुड़ता रहता है। बाद में यह ब्याज मूल बकाया राशि में जोड़ दिया जाता है।

नो-ईएमआई-टिल-पजेशन योजना

वर्तमान समय में बड़ी संख्या में लोग निर्माणाधीन परियोजनाओं में घर खरीदते हैं। ऐसे खरीदारों के लिए नो-ईएमआई-टिल-पजेशन स्कीम आकर्षक विकल्प हो सकती है। इस योजना में घर का कब्जा मिलने तक खरीदार को नियमित ईएमआई का भुगतान नहीं करना पड़ता। कई मामलों में बिल्डर इस अवधि के दौरान ब्याज या ईएमआई का खर्च वहन करता है। इससे खरीदार पर तत्काल वित्तीय बोझ कम हो जाता है। यह योजना विशेष रूप से उन लोगों के लिए फायदेमंद मानी जाती है जो वर्तमान में किराए के मकान में रह रहे हैं और साथ ही नया घर भी खरीद रहे हैं। इससे उन्हें एक साथ किराया और ईएमआई दोनों का बोझ नहीं उठाना पड़ता। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि इस सुविधा की लागत अक्सर किसी न किसी रूप में प्रॉपर्टी की कीमत में शामिल हो सकती है। इसलिए ग्राहकों को योजना के सभी नियम और शर्तें ध्यान से पढ़नी चाहिए।

बैलून पेमेंट लोन बेहतर

बैलून पेमेंट लोन पारंपरिक होम लोन से थोड़ा अलग होता है। इसमें शुरुआती वर्षों के दौरान ईएमआई अपेक्षाकृत कम रखी जाती है, जिससे मासिक भुगतान का दबाव कम रहता है। लेकिन लोन की अवधि के अंतिम चरण में उधारकर्ता को एक बड़ी राशि एकमुश्त चुकानी होती है। इसी बड़े अंतिम भुगतान को बैलून पेमेंट कहा जाता है। यह विकल्प उन लोगों के लिए उपयुक्त हो सकता है जिन्हें भविष्य में आय में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद हो। उदाहरण के लिए किसी कर्मचारी को बड़े बोनस, ईएसओपी (ईएसओपी) से लाभ या वेतन में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी की संभावना हो। वहीं व्यवसायियों को भविष्य में किसी बड़े लाभ की उम्मीद हो सकती है। हालांकि यदि अनुमानित आय वृद्धि नहीं होती तो अंतिम भुगतान करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इसलिए इस विकल्प को चुनते समय वित्तीय स्थिति का वास्तविक आकलन करना जरूरी है।

लोन लेते समय रखें ध्यान

होम लोन का कोई भी विशेष विकल्प चुनने से पहले केवल कम ईएमआई या शुरुआती राहत को देखकर फैसला नहीं करना चाहिए। यह समझना जरूरी है कि लंबे समय में कुल भुगतान कितना होगा और अतिरिक्त सुविधाओं की वास्तविक लागत क्या है। ग्राहकों को लोन की कुल अवधि, कुल ब्याज भुगतान, संभावित जोखिम और अपनी भविष्य की आय की स्थिति का मूल्यांकन करना चाहिए। इसके अलावा सभी नियमों और शर्तों को विस्तार से पढ़ना भी जरूरी है।

जरूरत अनुसार चुनें सही विकल्प

हर व्यक्ति की आर्थिक स्थिति और जरूरत अलग होती है। इसलिए कोई भी एक लोन योजना सभी के लिए उपयुक्त नहीं हो सकती। जहां मोरेटोरियम लोन अस्थायी राहत प्रदान करता है, वहीं नो-ईएमआई-टिल-पजेशन योजना निर्माणाधीन मकान खरीदने वालों के लिए फायदेमंद हो सकती है। दूसरी ओर बैलून पेमेंट लोन उन लोगों के लिए उपयोगी साबित हो सकता है जिन्हें भविष्य में अधिक आय की उम्मीद हो। विशेषज्ञों का मानना है कि सही जानकारी और सावधानीपूर्वक मूल्यांकन के साथ चुना गया होम लोन न केवल घर खरीदने का सपना पूरा करता है, बल्कि लंबे समय तक वित्तीय संतुलन बनाए रखने में भी मदद करता है।

डबल इनकम, डबल सुरक्षा : नौकरीपेशा दंपतियों के लिए कुछ जरूरी वित्तीय नियम

पति-पत्नी दोनों कमाते हैं तो सही बजट, नियमित संवाद जरूरी

बेहतर आर्थिक भविष्य के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा भी उतनी ही जरूरी है। नियमित स्वास्थ्य जांच, मेडिकल इमरजेंसी फंड और पर्याप्त स्वास्थ्य बीमा परिवार को अचानक आने वाले खर्चों से बचा सकते हैं। इसके अलावा जीवन बीमा भी परिवार की आर्थिक सुरक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है।

तैयारी
बिजनेस डेस्क

आज के दौर में जब पति-पत्नी दोनों नौकरी करते हैं, तो परिवार की आय बढ़ने के साथ-साथ आर्थिक अवसर भी बढ़ जाते हैं। घर खरीदने, बच्चों की शिक्षा, बेहतर जीवनशैली और सुरक्षित रिटायरमेंट जैसे बड़े लक्ष्य अपेक्षाकृत आसानी से हासिल किए जा सकते हैं। हालांकि दोहरी आय के साथ वित्तीय प्रबंधन की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। कई बार खर्च, बचत और निवेश को लेकर स्पष्ट योजना न होने से मतभेद और आर्थिक असंतुलन पैदा हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि डबल इनकम वाले दंपतियों के लिए नियमित वित्तीय चर्चा, साझा बजट, व्यक्तिगत और संयुक्त खर्चों के बीच संतुलन, पर्याप्त बीमा और अनुशासित निवेश बेहद जरूरी हैं। यदि दोनों साथी मिलकर स्पष्ट वित्तीय लक्ष्य तय करें और उनके अनुसार योजना बनाएं, तो न केवल वर्तमान जरूरतें बेहतर ढंग से पूरी की जा सकती हैं, बल्कि भविष्य की आर्थिक चुनौतियों का सामना भी आसानी से किया जा सकता है। छोटी-छोटी वित्तीय आदतें लंबे समय में बड़ी सफलता की नींव बनती हैं।

'मेरा, तुम्हारा और हमारा' फॉर्मूला अपनाएं

शादी के बाद भी आर्थिक स्वतंत्रता का महत्व बना रहता है। इसके लिए आय को तीन हिस्सों में बांटा जा सकता है। एक हिस्सा साझा खर्चों और पारिवारिक लक्ष्यों के लिए, जबकि बाकी दोनों पार्टनर के व्यक्तिगत खर्चों के लिए रखा जा सकता है। इससे जिम्मेदारियों और व्यक्तिगत जरूरतों के बीच संतुलन बना रहता है।

पैसों को लेकर खुलकर करें बातचीत

अक्सर दंपति आय और खर्चों को लेकर नियमित चर्चा नहीं करते, जिससे कई बार गलतफहमियां पैदा हो जाती हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि हर महीने एक तय समय पर बैठकर आय, खर्च, बचत और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा करनी चाहिए। इससे वित्तीय फैसले पारदर्शी बनते हैं और आपसी विश्वास भी मजबूत होता है।

सही वित्तीय योजना से रख सकते हैं सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की मजबूत नींव

मिलकर बनाएं संतुलित बजट

दोनों की कुल आय को ध्यान में रखते हुए मासिक बजट तैयार करना जरूरी है। इसमें घर का किराया, राशन, बच्चों की जरूरतें, यात्रा और अन्य नियमित खर्चों के साथ भविष्य के लक्ष्यों के लिए भी राशि निर्धारित करनी चाहिए। एक व्यवस्थित बजट अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखने में मदद करता है।

बचत और निवेश को बनाएं आदत

दोहरी आय का सबसे बड़ा लाभ तभी मिलता है जब उसका एक हिस्सा नियमित रूप से बचत और निवेश में लगाया जाए। विशेषज्ञ कम से कम छह महीने के खर्चों के बराबर इमरजेंसी फंड बनाने की सलाह देते हैं। इसके बाद जोखिम क्षमता और वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार म्यूचुअल फंड, पीपीएफ, एनपीएस या अन्य निवेश विकल्पों में निवेश किया जा सकता है।

छोटी आदतें, बड़ा फायदा

वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि आर्थिक सफलता किसी एक बड़े फैसले से नहीं, बल्कि रोजमर्रा की छोटी और अनुशासित आदतों से हासिल होती है। नियमित संवाद, सही बजट, पर्याप्त सुरक्षा और व्यवस्थित निवेश के जरिए डबल इनकम वाले दंपति अपने सपनों को तेजी से पूरा कर सकते हैं और भविष्य को अधिक सुरक्षित बना सकते हैं।

खबर संक्षेप

अवैध पिस्टल के साथ युवक गिरफ्तार

सोनीपत। जिले की एसएयूजी यूनिट सेक्टर-7 की पुलिस टीम ने अवैध हथियार रखने के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान गांव गढ़ी सिसाना निवासी रविन उर्फ गुरु के रूप में हुई है। पुलिस को 12 जून को गश्त के दौरान सूचना मिली थी कि रविन उर्फ गुरु खरखौदा बाईपास पर गांव खांडा-सहरी मोड़ के पास अवैध हथियार लेकर किसी का इंतजार कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर युवक वहां से निकलने लगा, जिस पर उसे संदेह के आधार पर काबू कर लिया गया।

लंबित शिकायतों के निपटारे की समीक्षा

रोहतक। हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय आयुक्त एवं सचिव अशोक कुमार मीणा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सीएम विंडो पोर्टल पर लंबित शिकायतों के निपटारे की समीक्षा की। बैठक के बाद, उपायुक्त सचिन गुप्ता ने स्थानीय लघु सचिवालय में अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए। कहा कि सभी अधिकारी सीएम विंडो पोर्टल को पूरी गंभीरता से लें और इसका नियमित अवलोकन करें। पोर्टल पर कोई भी शिकायत प्राप्त होते ही उसे तुरंत अंडरटेक कर समाधान की कार्रवाई शुरू की जाए।

उपायुक्त के नेतृत्व में कल सुबह छह बजे लघु सचिवालय से शुरू होगी मैराथन

नियमित योगाभ्यास से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होगा : सिंह

पतंजलि योग समिति और भारिप आयोजित करेंगी शिविर, 21 जून को होगा समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

पतंजलि योग समिति और भारत विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में शहर में जींद मार्ग स्थित जवाहरलाल नेहरू पार्क में पांच दिवसीय योग शिविर आयोजित किया जाएगा। योग शिविर 17 जून से शुरू होगा और 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर समापन होगा। शिविर की तैयारियों को लेकर शनिवार को पार्क में दोनों संगठनों की बैठक हुई।

पांच दिवसीय निःशुल्क योग शिविर की संयुक्त अध्यक्षता पतंजलि योग समिति तहसील प्रभारी पंकज जैन व भारत विकास परिषद गोहाना शाखा अध्यक्ष सुनील कुच्छल करेंगे। पंकज जैन के अनुसार शिविर में कोई भी व्यक्ति भाग ले सकता है। शिविर में विशेष रूप से बीपी, शुगर, थायराइड, सर्वाइकल, घुटना दर्द, कमर दर्द व मोटापा दूर करने के लिए आसन व प्राणायाम का अभ्यास करवाया जाएगा। योग साधकों के बैठने की व्यवस्था के लिए दरी बिछाई जाएगी। फिर भी कोई योग साधक चाहे तो अपना योगा मैट या चद्दर ला सकता है। शिविर का समय सुबह 5 बजे से 6:15 बजे तक रहेगा। बैठक में प्रमोद गुप्ता, डॉ. भीम सिंह, राजेश मित्तल, अश्वनी जैन, राजेंद्र कुमार वर्मा, दिनेश कुमार, सुरेश पांचाल, डॉ. सुरेश सैनी, डॉ. नरेश आर्य, विजय चौहान व सेवानिवृत्त कैप्टन बिजेंद्र सिंह उपस्थित रहे।

गोहाना। बैठक में विचारविमर्श करते हुए दोनों संगठनों के प्रतिनिधि।

खरखौदा। योग डेमो का प्रदर्शन करते हुए योग सहायक। फोटो : हरिभूमि

जिला स्तरीय योग मैराथन कल

सोनीपत। 12वें अंतराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 15 जून को जिला स्तरीय योग मैराथन का आयोजन किया जाएगा। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. रामावतार सिंह ने बताया कि उपायुक्त नेहा सिंह के नेतृत्व में आयोजित होने वाली यह मैराथन सुबह छह बजे लघु सचिवालय से शुरू होगी। प्रतिभागी हैबीटेट क्लब रोड, महलाना रोड, तिरंगा चौक, सुभाष स्टेडियम के सामने और छोटूराम चौक से होकर पुनः लघु सचिवालय पहुंचेंगे। मैराथन में 40 वर्ष तक तथा 40 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के पुरुष और महिला प्रतिभागियों के लिए अलग-अलग श्रेणियां निर्धारित की गई हैं। प्रत्येक श्रेणी में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को सम्मानित किया जाएगा। डॉ. रामावतार सिंह ने कहा कि योग स्वस्थ और संतुलित जीवनशैली का आधार है। नियमित योगाभ्यास से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। उन्होंने युवाओं, महिलाओं, खिलाड़ियों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों से योग मैराथन में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की।

130 प्रतिभागियों ने लिया भाग

खरखौदा। 12 वे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के तीन दिवसीय प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर प्रशासन एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 11 जून से 13 जून तक सावित्री बाई फूले कन्या महाविद्यालय खरखौदा में उपमंडल अधिकारी अमित भारद्वाज के कुशल मार्गदर्शन तथा बीडीपीओ एवं नोडल अधिकारी सुरेन्द्र आर्य के नेतृत्व में आयोजित किया गया। शिविर के 130 प्रतिभागी योग की बारीकियों से अवगत हुए। मंच का संचालन राजेश पीटीआई द्वारा किया गया। स्टेज पर योग सहायकों- पुष्पा, मोहित, अजय दहिया, नीलम द्वारा योग डेमो का प्रदर्शन किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी प्रदीप राठी की टीम, संजय गुप्ता, विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारियों ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग किया। वहीं आयुष विभाग से नोडल अधिकारी डॉ सतीश भोला, डॉ जयदीप सिवाच, डॉ नीलम गुर, डॉ सोनम शर्मा, डॉ कीर्ति फार्मासिस्ट सुनील खोखर व योग सहायकों ने भी यथायोग्य योगदान किया।

योग साधकों को योगाभ्यास करवाया

योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं: डॉ. सुरेश सैनी

गोहाना। योग का अभ्यास करवाते डॉ. सुरेश सैनी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

शनिवार को शहर की पुरानी सब्जी मंडी निकट स्थित शहीद मदन लाल ढींगरा पार्क गोहाना मे योगाचार्य डॉ. सुरेश सैनी ने योग शिविर में योग साधकों को योगाभ्यास करवाया और इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। शिविर में योग साधकों को ग्रीवा चालन, स्कन्ध संचालन, कटी चालन, ताड़ासन, वृक्षासन, पाद- हस्त आसन, अर्द्ध चक्रासन, त्रिकोणासन, दंडासन, भद्रासन, वज्रासन, शशांक आसन, उत्तान मंडूकासन, वक्रासन पेट के बल लेटकर किए जाने वाले आसनों में मकर आसन, शलभासन, धनुरासन पीठ के बल लेट कर किए जाने वाले आसनों में सेतुबंध आसन, उत्तानपादासन, अर्द्ध हलासन, पवनमुक्तासन के साथ कपालभाति क्रिया, अनुलोम विलोम प्राणायाम, शीतली प्राणायाम, भ्रामरी प्राणायाम व ध्यान क्रिया भी करवाई गई। डॉ. सुरेश सैनी ने कहा कि योग केवल एक शारीरिक व्यायाम ही नहीं बल्कि स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने की कला और विज्ञान भी है। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने का प्रभावी माध्यम है। शिविर में अंजू ठकराल, किरण जुनेजा, स्वाति मेहरा, शशि तनेजा, सोनिया गर्ग, रूबी पुनिया, राजबाला सैनी, सरोज सैनी, मंजू देवी, बबीता रानी, नीरू जसूजा, शीनू बजाज व सुप्रिया बजाज ने योगाभ्यास किया।

कांग्रेस को तोड़कर पार्टी बनाने वाली ममता अब बीजेपी पर लगा रही पार्टी तोड़ने का आरोप : सिंह

- भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने केंद्र सरकार की उपलब्धियों को विस्तार से गिनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में बनी भाजपा सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम के तहत भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह शनिवार को सोनीपत पहुंचे। उन्होंने यहां आयोजित प्रबुद्धजन नागरिक सम्मेलन में शिरकत की और केंद्र सरकार की उपलब्धियों को विस्तार से गिनाया। पत्रकारों से बातचीत में अरुण सिंह ने कहा कि भारत आज विकास की तेज रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि रेलवे, इंफ्रास्ट्रक्चर और अन्य कई क्षेत्रों में अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं और नीतियों के चलते 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं। उनके अनुसार, गरीबों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मसीहा के रूप में देखा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि भारत आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर भी निशाना साधा और कहा कि विकास के मुद्दों पर भाजपा की तुलना में विपक्ष के पास कोई ठोस दृष्टि नहीं है। अरुण सिंह ने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, जिसमें उन्होंने भाजपा में नेताओं को शामिल कराने को लेकर टिप्पणी की थी, अरुण सिंह ने कहा कि ममता बनर्जी ने भी कभी कांग्रेस से अलग होकर अपनी अलग पार्टी बनाई थी, इसलिए उन्हें इस तरह के आरोप लगाने से पहले अपने अतीत को भी याद रखना चाहिए। पंजाब की सियासत पर बोलते अरुण सिंह ने भरोसा जताया कि आने वाले समय में पंजाब में भाजपा की सरकार बनेगी। विधायक कृष्णा गहलावत, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली, सोनीपत विधायक निखिल मदान, विधायक पवन खरखौदा आदि मौजूद रहे।

राई। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह, विधायक कृष्णा गहलावत, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली, निगम मेयर राजीव जैन। फोटो :हरिभूमि

उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग को दिए निर्देश

अधिकारी नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाएं: गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

उपायुक्त सचिन गुप्ता ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं कि वे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में और सुधार लाते हुए जनहित से जुड़ी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, नियमित टीकाकरण, गैर-संचारी रोगों की स्क्रीनिंग तथा डेंगू नियंत्रण गतिविधियों को सर्वोच्च प्राथमिकता दें क्योंकि जिला प्रशासन नागरिकों को बेहतर, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उपायुक्त स्थानीय कैंप कार्यालय में स्वास्थ्य विभाग की मासिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे, जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा स्वास्थ्य अवसंरचना परियोजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की बैठक में उपायुक्त ने बताया कि जिला में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं। वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान प्रथम तिमाही एएनसी पंजीकरण 93 प्रतिशत दर्ज किया गया है, जिसे शत-प्रतिशत करने के प्रयास किए जा रहे हैं। राहत की बात यह है कि जिला में संस्थागत प्रसव तथा गर्भवती महिलाओं में हीमोग्लोबिन जांच का कवरेज 100 प्रतिशत रहा है। इसके साथ ही उच्च जोखिम गर्भावस्था (एचआरपी) की पहचान एवं प्रबंधन के क्षेत्र में भी बेहतर कार्य किया गया है; वर्ष 2025-26 के दौरान जिला में चिन्हित 2,135 एचआरपी मामलों में से 93 प्रतिशत का सफल प्रबंधन किया गया। कन्या भ्रूण हत्या रोकने, लिंगानुपात में सुधार लाने और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ तथा पीसी-पीएनडीटी अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए वर्ष 2026 में अब तक तीन छापेमारी की जा चुकी हैं।

विकसित भारत के संकल्प के साथ जन शक्तिकरण की धारा बह रही : अरुण

- विधायक देवेंद्र कादियान के नेतृत्व व संगठन के प्रधान मनजीत सिंह अमरीक सिंह ने किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद अरुण सिंह का मुरथल ढाबा संगठन की तरफ से अमरीक सुखदेव ढाबा पर गन्नौर के विधायक देवेंद्र कादियान के नेतृत्व में संगठन के प्रधान मनजीत सिंह व अमरीक सिंह ने स्वागत किया। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण एवं विकास के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 12 वर्ष की यात्रा की जानकारी की बुक दी, उसके लिए संगठन के पदाधिकारी ने अरुण सिंह का आभार व्यक्त किया। राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 12 वर्ष की यात्रा के दौरान नारी शक्ति, महिला सशक्तिकरण में बदलाव, युवा शक्ति, राष्ट्र निर्माण ही मिशन नई अर्थव्यवस्था, नया भारत नया विश्वास, जन जन तक डिजिटल, भारत विरासत भी विकास भी, सांस्कृतिक पूर्ण जागरण की गाथा , राष्ट्र प्रथम ही मंत्र , सामाजिक सुरक्षा का विस्तार आदि अनेक जनकल्याणकारी नीतियों बनाई है।

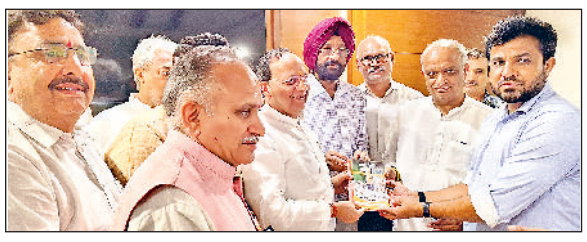

राई। राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह का मुरथल ढाबा संगठन विधायक देवेंद्र कादियान के नेतृत्व में प्रधान मनजीत सिंह व अमरीक सिंह ने स्वागत करते हुए।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर विधायक कृष्णा गहलावत, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली, विधायक देवेंद्र कादियान, सोनीपत विधायक निखिल मदान, मेयर राजीव जैन, पूर्व सांसद रमेश कौशिक, पूर्व मंत्री कविता जैन, वरिष्ठ भाजपा नेता देवेंद्र कौशिक, वरिष्ठ भाजपा नेता माईराम कौशिक, वरिष्ठ भाजपा नेता मनिंदर सिंह सनी, जिला अध्यक्ष, गन्नौर मंडल अध्यक्ष अजय जैन, ढाबा संगठन के सदस्य मनीष, मनोज कुमार, दयानंद पहलवान, अंकुर लाठर नीलकंठ ढाबा, बिजेंदर पहलवान, सतीश अरोड़ा समेत पदाधिकारी मौजूद रहे।

इनेलो के सभी प्रकोष्ठों की कार्यकारिणी का गठन पंद्रह तक करें पूरा : गहलावत

खरखौदा। नेताओं का स्वागत करते इनेलो कार्यकर्ता।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खरखौदा

इनेलो कार्यकर्ताओं की बैठक हलका प्रधान बलवान नंबरदार की अध्यक्षता में खरखौदा के विश्राम गृह में हुई। मुख्य वक्ता एवं जिलाध्यक्ष कुणाल गहलावत ने कहा कि विभिन्न प्रकोष्ठों की कार्यकारिणी का गठन पंद्रह जून तक पूरा किया जाना अपेक्षित है। साथ ही प्रत्येक बूथ पर बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) नियुक्त करने के निर्देश दिए गए, ताकि मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य के दौरान किसी भी कार्यकर्ता या समर्थक का वोट न कट सके। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता बीएलओ के संपर्क में रहें और निष्पक्ष रूप से अपने क्षेत्र के मतदाताओं की जानकारी की जांच करें। उन्होंने सभी बीएलए को 15 जून तक अपने फार्म भरकर जमा कराने के निर्देश दिए, ताकि उनकी जानकारी आगे भेजी जा सके। उन्होंने कहा कि भाजपा मतदाताओं के वोट कटवाने के लिए विभिन्न प्रकार के षड्यंत्र अपना रही है। ऐसे में पार्टी कार्यकर्ताओं को अपनी और समर्थकों की वोटों पर विशेष ध्यान देना होगा। इनेलो का जनाधार लगातार बढ़ रहा है और कार्यकर्ताओं को संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करना चाहिए।

महाराणा प्रताप के आदर्श आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत : माईराम कौशिक

- वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राई

भाजपा नेता माईराम कौशिक ने शनिवार को वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन त्याग, संघर्ष, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति का अनुपम उदाहरण है। उनके आदर्श आज भी देश के युवाओं को राष्ट्र सेवा और आत्मसम्मान की रक्षा के लिए प्रेरित करते हैं। जिला उपाध्यक्ष अजय दहिया ने कहा कि महाराणा प्रताप ने अपने जीवन में अनेक कठिनाइयों का सामना किया, लेकिन कभी भी अपने स्वाभिमान और मातृभूमि की स्वतंत्रता से समझौता नहीं किया। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी साहस और धैर्य का परिचय देते हुए देशभक्ति की मिसाल कायम की। उनका जीवन हमें सिखाता है कि लक्ष्य कितना भी कठिन क्यों न हो, दृढ़ संकल्प और परिश्रम से उसे प्राप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने महाराणा प्रताप के जीवन से प्रेरणा लेने और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। सभी ने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप को नमन करते उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

राई। भाजपा नेता माईराम कौशिक व जिला उपाध्यक्ष अजय दहिया महाराणा प्रताप के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए।

पुरुषोत्तम मास में किसी के प्रति गलत धारणा रखना दंडनीय : रघु कुमार दास

- इस्कॉन प्रचार समिति ने मयूर विहार, मॉडल टाउन सहित विभिन्न क्षेत्रों में हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकाल किया प्रभु गुणगान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

इस्कॉन प्रचार समिति की ओर से शनिवार को शहर में हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकाल प्रभु गुणगान किया गया। प्रभातफेरी मयूर विहार की गली नंबर 8 से शांत नर्सिंग दास के आवास से भगवान को दीपदान व तुलसी पूजन के साथ प्रारंभ की गई। समिति सदस्यों ने विभिन्न क्षेत्रों में घर-घर जाकर हरिनाम का जाप कर श्रद्धालुओं को पुरुषोत्तम मास की महिमा के बारे में बताया। हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी का मार्ग में श्रद्धालुओं ने जगह-जगह स्वागत किया। इस्कॉन प्रचार समिति की ओर से प्रसाद वितरण किया गया। इसके बाद मॉडल टाउन में हरिनाम संकीर्तन व दीपदान के साथ प्रभातफेरी संपन्न की गई। रघु कुमार दास ने बताया कि यह महीना भगवान श्रीहरि को अति प्रिय है। पुरुषोत्तम मास में जितना भगवान का नाम लिया जाए, उतना ही कम है। इस मास में किया गया भगवान का भजन, कीर्तन, दान हजारों गुना व अन्य दिनों की अपेक्षा ज्यादा फलदाई माना गया है। इन दिनों अगर कोई किसी अन्य मनुष्य की निंदा करता है, बुरा चाहता है या किसी के प्रति गलत धारणा रखता है, तो उसका दंड भी उसे हजारों गुना ज्यादा मिलता है। उन्होंने कहा कि हमें सभी कार्यों के साथ भगवान का भजन अवश्य करना चाहिए।

डीन नियुक्तियों पर कुलपति ने सभी आरोपों को बताया निराधार

- विश्वविद्यालय अधिनियम के तहत हुई हैं सभी नियुक्तियां : कुलगुरु

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीसीआरयूएसटी), मुरथल के कुलपति प्रो. प्रकाश सिंह ने डीन नियुक्तियों को लेकर लगाए गए आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में विभिन्न संकायों के डीन की नियुक्ति विश्वविद्यालय अधिनियम-2006 के प्रावधानों के अनुसार की गई है। उन्होंने बताया कि अधिनियम के एक्ट 19(1) में डीन नियुक्ति की प्रक्रिया और अधिकार स्पष्ट रूप से निर्धारित हैं तथा उसी के अनुरूप सभी निर्णय लिए गए हैं। कुलपति ने कहा कि डॉ. अजय कुमार द्वारा लगाए गए आरोपों में कोई सच्चाई नहीं है।

डीकूटा ने कुलपति के दावों पर उठाए सवाल

सोनीपत। दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीसीआरयूएसटी), मुरथल के शिक्षक संघ डीकूटा ने डीन नियुक्तियों के संबंध में कुलपति के हालिया बयान को भ्रामक बताते हुए वास्तविक तथ्यों को दबाने का आरोप लगाया है। संघ का कहना है कि विश्वविद्यालय अधिनियम-2006 की धारा 19(1) के अनुसार इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय के डीन की नियुक्ति संबंधित संकाय के प्रोफेसरों में से वरिष्ठता और रोटेशन के आधार पर की जानी चाहिए थी। डीकूटा के प्रधान डॉ. अजय कुमार ने कहा कि 31 मई को पद रिक्त होने के बाद प्रो. मनोज दुहन इस पद के लिए वरिष्ठतम पात्र प्रोफेसर थे। संघ का आरोप है कि 9 जून को प्रो. मनोज दुहन को शिक्षा संकाय का डीन नियुक्त कर उनके दावे को समाप्त करने का प्रयास किया गया और 11 जून को प्रो. अमित कुमार गर्ग को इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय का डीन नियुक्त कर दिया गया। संघ ने मामले को विश्वविद्यालय अधिनियम के विपरीत बताते हुए राज्यपाल-सह-कुलाधिपति को हस्तक्षेप के लिए प्रतिवेदन सौंपने की जानकारी दी है।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर डॉ. शर्मा ने किया जनसंपर्क

मोदी नेतृत्व की बदौलत विश्व में बढ़ा भारत का मान

किलोहड़द, चिटाना व भटाना जाफराबाद का दौरा कर जनसंपर्क किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

गोहाना सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया में भारत का मान बढ़ा है। समाज के हर आयु वर्ग, हर समाज के उत्थान को लेकर प्रभावी योजनाओं की बदौलत आज देश की जनता ने लगातार तीसरी बार भाजपा पर भरोसा करते हुए जनसेवा का अवसर दिया है।

शनिवार को सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे विशेष जनसंपर्क अभियान के तहत गोहाना विधानसभा क्षेत्र के गांव किलोहड़द, चिटाना व भटाना जाफराबाद का दौरा कर जनसंपर्क किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं ऐतिहासिक उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाते हुए विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद किया और उनके अनुभव सुने।

गोहाना। पौधरोपण करते हुए डॉ. अरविंद शर्मा, साथ हैं उनकी पत्नी डॉ. रीटा शर्मा व अन्य। फोटो : हरिभूमि

पात्र व्यक्ति तक पहुंच रहा योजनाओं का लाभ

कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश ने विकास, सुशासन, पारदर्शिता और जनभागीदारी के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचा है, जिससे करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है।

NOTICE

I, Deepak S/o Sh. Baljit Singh, resident of H.No 755, Part 2, Sec 12 Sonipat, Haryana declare that my Mother correct name is Nirmla. In some records, my Mother name is wrongly mentioned as Nirmla Devi. Both names refer to one and the same person. I shall be known as Nirmla for all purposes.

अधिकारियों के साथ निर्माण कार्यों और सुविधाओं का जायजा लिया

विश्व में सबसे आधुनिक सुविधाओं से युक्त होगी भारत अंतरराष्ट्रीय बागवानी मंडी : अरूण सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

शनिवार को भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री अरूण सिंह ने गन्नौर के विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत की। भारत अंतरराष्ट्रीय बागवानी मंडी (आईआईएचएम) का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ यहां चल रहे निर्माण कार्यों और सुविधाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर विधायक देवेंद्र कादियान, चीफ इंजीनियर महेंद्र सिंह, एक्सईएन एचएसएएमबी विजेंद्र सिंह, एक्सईएन ईआईएल राकेश भट्ट, मार्किट कमेटी चेयरमैन, वाईस चेयरमैन सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहें।

गन्नौर। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह जिला कष्ट निवारण समिति के सदस्य विकास उर्फ डब्बू त्यागी के कार्यालय में स्वागत करते हुए और अंतरराष्ट्रीय बागवानी मंडी में राष्ट्रीय महामंत्री अरूण सिंह मंडी का नक्शा देखते हुए, साथ में विधायक देवेंद्र कादियान व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली व मार्किट कमेटी चेयरमैन।

देश की प्रगति की दी जानकारी

इसके बाद भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह बड़ी औद्योगिक क्षेत्र पहुंचे। यहां एमएसएमई औद्योगिक एसोसिएशन बड़ी द्वारा एसोसिएशन के अध्यक्ष नवीन कौशिक, महासचिव हरप्रीत सिंह, अमित त्यागी, निशांत गोयल ने स्वागत किया। इसके बाद भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित कार्यक्रम में परिषद के पदाधिकारी योगेश कौशिक, अमित बत्रा, भाविप अध्यक्ष संदीप सिंघल आदि ने स्वागत किया। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने जिला कष्ट निवारण समिति के सदस्य विकास उर्फ डब्बू त्यागी के कार्यालय में पहुंचे जहा प्रोपटी डीलर संगठन के पदाधिकारी ने स्वागत किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय ट्रेड वेलफेयर बोर्ड के बोर्ड सदस्य नवीन गर्ग, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, विधायक देवेंद्र कादयान, मेयर राजीव जैन, जिलाध्यक्ष अशोक आदि मौजूद रहे। सभी कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हो रही भारत की प्रगति की जनकारी दी।

खबर संक्षेप

अवैध हथियारों के साथ दो युवक गिरफ्तार

गन्नौर। पुलिस ने अलग-अलग मामलों में दो युवकों को अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है। क्राइम यूनिट गन्नौर की टीम ने गांव बड़ी के निकट ऋषि चेतन आश्रम के पीछे बड़ी-शाहपुर रोड से गांव पलड़ी कलां गांव सौरभ उर्फ सिकंदर को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान पुलिस के उसके कब्जे से एक अवैध पिस्तौल बरामद हुई। वहीं थाना एचएसआईआईडीसी बड़ी पुलिस ने गुप्त सूचना पर फेज-3 क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए मध्य प्रदेश के भिंड जिले के गांव ऐनो के रहने वाले बलराम को काबू किया। तलाशी में उसके पास से एक देशी पिस्तौल और चार गोलियां बरामद हुई।

पिस्तौल सहित युवक को किया काबू

खरखौदा। पुलिस ने एक युवक को अवैध पिस्तौल सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान रविन उर्फ गुरु निवासी गांव सिसाना के रूप में हुई है। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक युवक गांव खांडा-सेहरी मोड़ के पास संदिग्ध परिस्थितियों में खड़ा है और उसके पास अवैध हथियार है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और संदिग्ध युवक को काबू कर लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक अवैध पिस्तौल और मैगजीन बरामद हुई। पुलिस ने बरामद हथियार को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम की धारा के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

योजना : ऊर्जा संरक्षण में भागीदारी निभाएंगे शिक्षा के मंदिर

जिले के 709 राजकीय विद्यालयों की छत्तों पर लगेंगे सोलर पावर प्लांट

विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने मांगी स्कूलों के भवनों संबंधी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

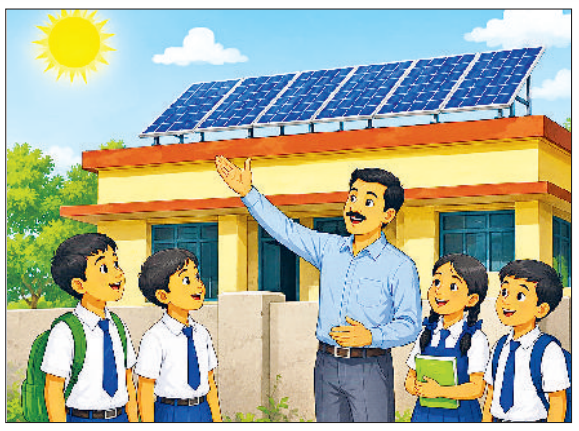

ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण में बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिले के राजकीय विद्यालयों में सौर ऊर्जा से प्रकाश करने की योजना तैयार की गई है। योजना को सिरे चढ़ाने के लिए जिलेभर के 709 राजकीय प्राथमिक, उच्च, माध्यमिक व वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों की छत्तों पर सोलर पावर प्लांट लगाने का निर्णय लिया गया है। योजना को सिरे चढ़ाकर जिला शिक्षा विभाग जहां बिजली बचत में अपनी भागीदारी निभाएगा, वहीं विद्यार्थियों के माध्यम से घर-घर तक लोगों को ऊर्जा संरक्षण का संदेश दिया जाएगा। विद्यालय शिक्षा निदेशालय की ओर से योजना को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी को संबंधित दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, ताकि जल्द कार्य की शुरुआत कर इस प्रयास को अमलीजामा पहनाया जा सके। निदेशालय की ओर से जिला शिक्षा विभाग के नेतृत्व में सोनीपत में कुल 709 राजकीय विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। इनमें 420 राजकीय प्राथमिक विद्यालय, 77 राजकीय उच्च, 75 राजकीय माध्यमिक, 135 राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक, एक केंद्रीय विद्यालय व एक नवोदय विद्यालय शामिल हैं। इनमें 11 को पीएमश्री राजकीय विद्यालय व 09 को राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय का दर्जा दिया गया है। इन राजकीय विद्यालयों में हजारों बच्चे शिक्षा ग्रहण कर अपने जीवन में शिक्षा रूपी उजाला लाने की राह पर अग्रसर हैं। केवल सोनीपत खंड की बात करें, तो कुल 11 राजकीय उच्च विद्यालय व 24 राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश जारी किए हैं कि राजकीय विद्यालयों के भवनों से संबंधित जानकारी एक सप्ताह के अंदर पोर्टल पर अपलोड करवाई जाए। अगर जिला शिक्षा विभाग निर्देशों की पालना नहीं करवाता, तो इसे लापरवाही मानते हुए विभागीय कार्यवाही अमल में लाई जा सकती है। हालांकि निदेशालय ने प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों, मौलिक शिक्षा अधिकारियों सहित संबंधित अधिकारियों को यह निर्देश जारी किए हैं कि जल्द से जल्द उक्त कार्य को पूरा करवाया जाए।

ग्रामीण अंचल में वंचित विद्यार्थियों को फायदा

वक्त के साथ राजकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा व सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए वर्तमान में आधुनिक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। इसके साथ ही विद्यालयों में एलईडी पैनल, कम्प्यूटर लैब, विभिन्न संकाय लैब, अन्य उपकरणों सहित इलैक्ट्रोनिक आइटम का प्रयोग बढ़ने लगा है। विशेषज्ञों की मानें तो इस तरह सुविधाओं के साथ जहां एक ओर बिजली खर्च बढ़ा रहा है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण अंचल में बिजली आपूर्ति बाधित होने से विद्यार्थियों को कई बार सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पाता है। ऐसे में निदेशालय ने विद्यार्थियों को भविष्य को देखते हुए राजकीय विद्यालयों में सोलर पावर प्लांट स्थापित करवाकर बिजली खर्च को कम करने, पर्यावरण संरक्षण बढ़ावा देने की योजना तैयार की है।

छह विद्यालयों के पास अपने भवनों की दरकार

जिले में छह राजकीय विद्यालयों के पास खुद के भवनों की दरकार है। ऐसे में इन्हें दूसरों विद्यालयों की डबल स्टोरी भवनों में संचालित किया जा रहा है। इनमें प्राथमिक विद्यालय भी शामिल है। इनमें सैनीपुरा, धानक बस्ती के प्राथमिक विद्यालय शामिल हैं। इसके अलावा कथूरा ब्लॉक के एक प्राथमिक विद्यालय का अन्य विद्यालय के भवन में संचालन हो रहा है। उधर गढ़ी हकीकत व बसौदी में स्थित माध्यमिक विद्यालयों के पास भी अपने भवन का अभाव है। इन विद्यालयों के विद्यार्थी अन्य विद्यालयों के भवनों में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

बिजली खर्च पर लगाई जा सकेगी लगाम

शिक्षा विभाग लगातार कारगर कदम उठा रहा है। इस बीच विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने राजकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए बेहतर सुविधाएं मुहैया के साथ एक खास योजना तैयार की है। योजना के तहत सभी राजकीय विद्यालयों की भवनों पर सौर ऊर्जा प्लांट की स्थापना करने का निर्णय लिया गया। इससे जहां ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, वहीं बिजली खर्च पर लगाम लगाई जा सकेगी। *-नवीन गुलिया, जिला शिक्षा अधिकारी, सोनीपत*

न्यूज डायरी

आयु पूरी कर चुके युवाओं की वोट जरूर बनवाएं : रणधीर

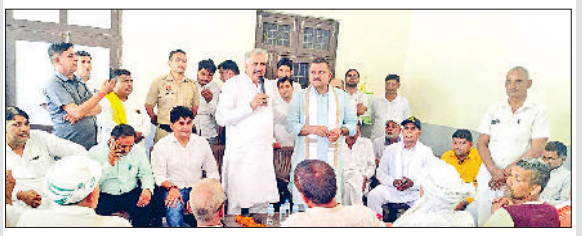

गोहाना। शनिवार को बरोदा हलका के प्रभारी एवं नलवा से भाजपा के विधायक रणधीर पनिहार ने बिचपड़ी गांव में बुटाना मंडल की बैठक में बीएलए-2 और बूथ अध्यक्षों को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित किया। मार्गदर्शन बरोदा हलका के पूर्व प्रत्याशी एवं बीएलए-1 प्रदीप सांगवान का रहा। विधायक रणधीर पनिहार ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे 15 जून से एसआईआर के तहत उन सभी 18 वर्ष की उम्र पूरी कर चुके युवकों की वोट जरूर बनवाएं। प्रदीप सांगवान ने 21 जून को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता के गोहाना में प्रस्तावित अभिनंदन समारोह में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचने का अनुरोध किया। कार्यक्रम का आयोजन रोहित पन्नू ने किया। इस मौके पर बूटाना मंडल अध्यक्ष राजेश भावड़, एडवोकेट ओमबीर वत्स, जिला गोहाना मीडिया प्रभारी डॉ. रामभेहर राठी, सुरेंद्र पुनिया, मनोज चेयरमैन,जस्सा सरपंच, रोहित पन्नू, सुनील कुमार, संदीप सिंह, भीम सरपंच, सरपंच रामनिवास, सोनू मलिक, सत्यवान, मंजीत व राजू शर्मा आदि उपस्थित रहे।

आमजन तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए लगाई प्रदर्शनी

गोहाना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सेक्टर सात स्थित कम्युनिटी सेंटर में विभिन्न विभागों की

तरफ से जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी का उद्देश्य केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाना और पात्र लोगों को उनका लाभ दिलाना है। यह प्रदर्शनी 20 जून तक चलेगी। एसडीएम अंकित कुमार के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शनी में नगर परिषद, जनस्वास्थ्य विभाग, बिजली विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग सहित कई विभागों ने स्टाल लगाए। यहां अधिकारियों व कर्मियों द्वारा लोगों को योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और मिलने वाले लाभों की जानकारी दी जा जाएगी।

मार्केट न्यूज

बत्रा सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में कैंसर केयर का शुभारंभ

सोनीपत। सोनीपत के दो प्रतिष्ठित स्वास्थ्य संस्थान बत्रा सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल एवं एंड्रोमेडा कैंसर हॉस्पिटल कैंसर रोगियों को बेहतर एवं समग्र स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से एक साथ आए हैं। दोनों संस्थानों के संयुक्त प्रयास से बत्रा सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, सोनीपत में कैंसर केयर सेंटर का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कैंसर केयर सेंटर का उद्घाटन मुख्य अतिथियों श्रीमती कृष्णा गहलावत (विधायक, राई), श्री देवेंद्र कादयान (विधायक, गन्नौर), श्री निखिल मदान (विधायक, सोनीपत), श्रीमती कविता जैन (पूर्व मंत्री, हरियाणा सरकार) तथा डॉ. अनुराधा जैन (सिविल सर्जन, सोनीपत) द्वारा विधिवत रूप से किया गया। कार्यक्रम के दौरान एंड्रोमेडा कैंसर हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. अरुण गोयल तथा बत्रा सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के निदेशकों ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में कैंसर तेजी से फैलने वाली और जीवन के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करने वाली बीमारी बन चुकी है। हालांकि समय पर पहचान, उचित मार्गदर्शन एवं सही उपचार के माध्यम से कैंसर का सफलतापूर्वक उपचार संभव है। उन्होंने बताया कि कैंसर रोगियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दोनों अस्पतालों ने यह संयुक्त पहल शुरू की है। इसके अंतर्गत बत्रा सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में कैंसर विशेषज्ञ द्वारा नियमित परामर्श सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। कैंसर परामर्श प्रत्येक मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार को उपलब्ध रहेगा।

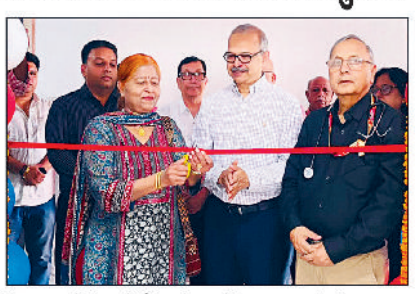

नीम करोली बाबा जन्मोत्सव, कैंची धाम के स्थापना दिवस पर हवन कर लगेगा भंडारा

सोनीपत। बहालगढ़ रोड स्थित सिद्धार्थ कॉलोनी के हनुमान मंदिर में 15 जून सोमवार को बाबा नीम करोली महाराज के कैंची धाम के स्थापना दिवस एवं जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में तीसरा विशाल भंडारा लगाया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन सरस्वती ग्रुप की ओर से पुनीत जांगड़ा के नेतृत्व में किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10 बजे हवन में मंत्रोच्चारण के साथ आहुति डालकर की जाएगी। तत्पश्चात श्रद्धालुओं के लिए दिनभर पानी की छबील और भंडारा लगाकर प्रसाद वितरित किया जाएगा। कार्यक्रम में काफी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। पुनीत जांगड़ा ने बताया कि बाबा नीम करोली महाराज को बजरंगबली का अवतार माना जाता है। देश-विदेश में उनके लाखों अनुयायी हैं। स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह बना है।

12 वर्ष विश्वास और विकास को समर्पित : रोहिल्ला

गोहाना। भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष मुकेश रोहिल्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व के 12 साल विश्वास, विकास और जनकल्याण को समर्पित रहे। इस कार्यकाल में देश ने सुशासन, पारदर्शिता और विकास के क्षेत्र में नई उपलब्धि हासिल की। वे मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा द्वारा करवाए गए विकास को लेकर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। भाजपा नेता मुकेश रोहिल्ला ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा प्रदेश में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में इन 12 सालों में हर समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए काम किया। भाजपा सरकार ने प्रधानमंत्री जन धन योजना, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और पीएम स्वनिधि योजना सहित अनेक नई योजनाएं लागू करके जनोत्थान का काम करते हुए देश को नई दिशा दी। भाजपा ने अंत्योदय की नीति पर काम करते हुए योजनाओं का लाभ पंक्ति में अंतिम पायदान पर खड़े लाभार्थी तक पहुंचाया। मुकेश रोहिल्ला ने कहा कि महिलाओं के उत्थान के लिए भाजपा नारी शक्ति वंदन अधिनियम लेकर आई। देश में 32 करोड़ से अधिक महिलाओं के जन-धन खाते खुले, 3 करोड़ से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बनी और 16 लाख करोड़ के मुद्रा ऋण से महिला उद्यमिता को बल मिला।

पौधरोपण कर विकसित भारत के संकल्प को पूरा करें : खरखौदा

खरखौदा। सावित्रीबाई फुले पार्क में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में विधायक पवन खरखौदा ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि पेड़ - पौधे लगाकर पर्यावरण को शुद्ध बनाए रखना प्रत्येक व्यक्ति का करते हुए हैं। पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए हमें अपने आसपास के क्षेत्र में चाहे अपने घर के आंगन हो या आसपास का खाली क्षेत्र हो उसमें ज्यादा से ज्यादा पेड़ पौधे लगाने चाहिए। पेड़ पौधों से शुद्ध ऑक्सीजन प्राप्त होती है जो व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। यदि हमारा क्षेत्र शुद्ध पर्यावरण युक्त होगा तभी हम स्वस्थ रह सकते हैं। यही संकल्प प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत होगा। तभी देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प पूरा होगा। इस अवसर पर सावित्रीबाई फुले पार्क में सैकड़ों फलदार व छायादार वृक्ष के पौधे रोपे गए।

विधायक बोले- इस मिट्टी ने देश को दिए कई नामी खिलाड़ी

अंतरराष्ट्रीय पहलवान दीपक राठी का पुरखास में सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

वियतनाम में आयोजित अंडर-23 एशियन चैंपियनशिप में रजत पदक और मंगोलिया के उलानबटार में आयोजित सीनियर वर्ल्ड रैंकिंग सीरीज में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन करने वाले अंतरराष्ट्रीय पहलवान दीपक राठी का शनिवार को गांव पुरखास में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पहुंचे बतौर मुख्यातिथि विधायक देवेंद्र कादियान का भी ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया। समारोह के दौरान विधायक देवेंद्र कादियान ने पहलवान दीपक राठी को सम्मानित कर उनकी उपलब्धियों पर बधाई दी। विधायक ने कहा कि पुरखास की मिट्टी खेल प्रतिभाओं की खान रही है। यहां की धरती पर खेलकर अनेक पहलवानों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है और देश का गौरव बढ़ाया है। दीपक राठी ने भी अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर क्षेत्र का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाया है। दीपक राठी ने सम्मान के लिए ग्रामीणों का आभार जताते हुए कहा कि गांव और क्षेत्र के लोगों का स्नेह उन्हें आगे भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 9653530209, 9253681005, 9253681010

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

हड्डी व जोड़ रोग विभाग
सभी प्रकार के हड्डी व जोड़ संबधित रोगो का ईलाज जैसे:-
➢ फ्रैक्चर (Fracture)
➢ जोड़ो की रस्सी (Ligaments) की चोट की दूरबीन द्वारा सर्जरी (Arthroscopy)
➢ घुटना, कुल्हा ईत्यादि का प्रत्यारोपन (Joint Replacement)
➢ कलाई, कोहनी, पीठ, गर्दन इत्यादि के दर्द का ईलाज
➢ हड्डी में टेढ़ापन (Deformity) का ईलाज व सर्जरी
➢ रोड़ एक्सीडेन्ट, ट्रामा व टूटी हड्डी का तुरंत आप्रेशन
(24 hours availability of Surgeon for Road Accident , Trauma & other Emergency Conditions)
(Scan the QR code to learn more)
Dr. Pawan K. Gaba
MBBS, MS (Ortho)
OPD Timings
Mon, Wed, Fri :- 4 PM to 6 PM
Tue, Thur, Sat :- 10 AM to 2 PM
Dr. Raghav Tandon
MBBS, MS (Ortho)
OPD Timings
Mon, Wed, Fri :- 10 AM to 2 PM
Tue, Thur, Sat :- 4 PM to 6 PM
Emergency:- 24 hours available
FIMS HOSPITAL
Bahalgarh-Sonipat Road, Sonipat, Haryana
www.fimssonipat.com | 0130-2205000 | Follow us:
"On panel of CGHS, Haryana Govt., ESIC, ECHS, Delhi Gov, Railway, NDMC, DJB, FCI, MCD, AAI, DTL, DTC, TPDDL, Raksha, Star, and all Major Insurance Companies, TPAs, & PSUs."

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 14 जून 2026

रिलेशनशिप का नया ट्रेंड
डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड-गर्लफ्रेंड

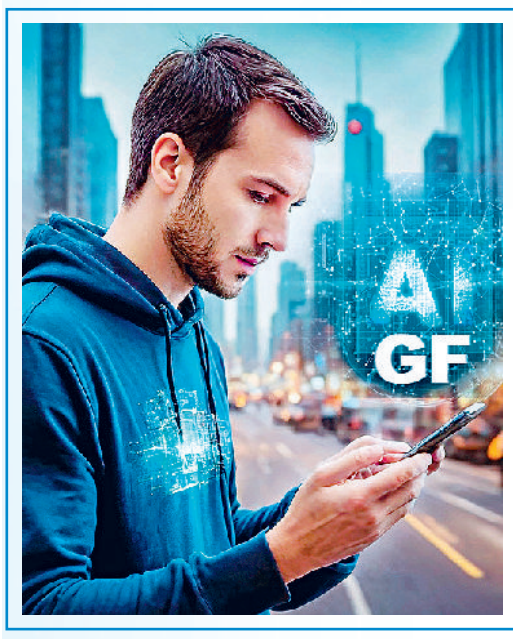

हाल के वर्षों में एआई ने अनेक प्रोफेशंस में जबर्दस्त बदलाव कर दिया है। अब प्रोफेशंस से भी आगे बढ़कर रिलेशनशिप में भी इसका दखल बढ़ने लगा है। इसका प्रमाण है, रियल के बजाय डिजिटल पार्टनर बनाने का बढ़ता ट्रेंड। यह ट्रेंड क्या है, यह क्यों बढ़ रहा है और आने वाले समय में इसके किस तरह के असर हम सभी को देखने को मिल सकते हैं, इसका डिटेल्ड एनालिसिस।

{ कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम }

भले ही आज यह बात आपको थोड़ा असहज कर सकती है, लेकिन यह सच है कि रिलेशनशिप का नया ट्रेंड तेजी से सामने आ रहा है, वो है डिजिटल गर्लफ्रेंड-ब्वॉयफ्रेंड। डिजिटल गर्लफ्रेंड और डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड (जीएफ/बीएफ) कोई साधारण ट्रेंड नहीं है, बल्कि इंसानी रिश्तों के ढांचे में अभूतपूर्व बदलाव की शुरुआत है।

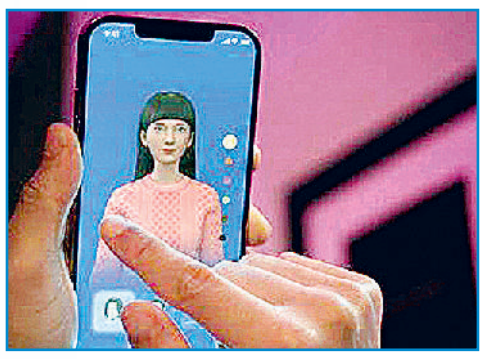

रियल पार्टनर जैसी फीलिंग

आज एआई आधारित एप्स और विभिन्न प्लेटफॉर्म जैसे रिपेलिका और करेक्टर एआई मौजूद हैं, जो यूजर के साथ उसी तरह रोमांटिक, भावनात्मक या निजी बातचीत करते हैं, जैसे ब्वॉयफ्रेंड या गर्लफ्रेंड आपस में करते हैं। ये आपकी पसंद ही नहीं भावनाओं को भी समझते हैं, आपकी बातों पर प्रतिक्रिया देते हैं और पर्सनल पार्टनर जैसा अनुभव देते हैं।

करोड़ों लोग हैं एक्टिव

डिजिटल गर्लफ्रेंड और डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड कोई रेयर या एक्सेप्शनल फिनोमिना नहीं है। सच्चाई तो यह है कि अगर एआई कंपेनियनशिप एप्स के आंकड़ों को मानें तो इस समय दुनिया में 5 से 6 करोड़ जीएफ/बीएफ सक्रिय रूप में मौजूद हैं। पूरी दुनिया में 10 करोड़ से ज्यादा लोग ऐसे हैं, जो इनके साथ किसी न किसी रूप से चैटबॉट्स के जरिए जुड़ते हैं। इनमें सिर्फ रिपेलिका के ही 3-4 करोड़ यूजर हैं, जबकि करेक्टर एआई के 2 करोड़ सिर्फ मंथली एक्टिव यूजर हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि दुनिया के 21 फीसदी वयस्क एआई कंपेनियनशिप का इस्तेमाल कर चुके हैं और 72 फीसदी किशोर कम से कम एक बार ऐसे एआई से बातचीत की है। मतलब यह कि अब यह कुछ थोड़े से लोगों का शौक या प्रयोग भर नहीं है बल्कि यह बड़ी जनसंख्या का न्यू नॉर्मल व्यवहार है।

अपने देश में भी बढ़ रहा ट्रेंड

भारत भी इस मामले में पीछे नहीं है। हालांकि भारत के अलग से सटीक आधिकारिक आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन इसका बढ़ता ट्रेंड साफ तौर पर देखा जा सकता है। और ऐसा हो भी क्यों न, आखिर भारत दुनिया का सबसे बड़ा इंटरनेट यूजर देश है। भारत में एक अरब से ज्यादा मोबाइल फोन इस्तेमाल में हैं और इनमें 80 करोड़ से ज्यादा में इंटरनेट का इस्तेमाल होता है। अगर एआई एप्स डाउनलोड ग्रोथ 2023-24 को देखें, तो भारत में इसकी रफ्तार 1400 फीसदी रही है यानी, हाल के सालों में भारत में एआई एप्स को डाउनलोड करने की रफ्तार 14 गुना तक बढ़ी है। क्योंकि भारत में मोबाइल फोन के सबसे बड़े उपभोक्ता 18 से 30 साल के युवा हैं। इसलिए भी भारत में एआई कंपेनियनशिप की मांग अविश्वसनीय रफ्तार से बढ़ रही है। क्योंकि इंटरनेट इस्तेमाल करने वाला यही वर्ग (18-30) सबसे बड़ा इंटरनेट यूजर वर्ग है। इसके बावजूद भी यह कहा जा सकता है कि भारत में यह सिलसिला अभी शुरुआती चलन में है, भले इसकी रफ्तार बहुत तेज हो।

इस ट्रेंड के बढ़ने की वजहें

सवाल है, आखिर इंसानों को डिजिटल जीएफ और बीएफ तक जाने की जरूरत ही क्यों पड़ी? यानी हम आखिर यहां पहुंचे क्यों और कैसे? इसका सबसे बड़ा कारण है लोगों में बढ़ता अकेलापन। शहरी जीवन, काम का दबाव, टूटते सामाजिक नेटवर्क और भावनात्मक सहारा ढूंढ़ते युवा। वास्तव में यही वजहें हैं, जिनके चलते पिछले कुछ सालों में ही डिजिटल जीएफ/बीएफ की रफ्तार तेजी से बढ़ी है। असली रिश्तों में लगातार बढ़ती असहमति, समझौते और जिम्मेदारियां एआई रिश्तों की तरफ हमें मोड़ रही हैं, क्योंकि वहां इस तरह की दुश्वारियां या तो नहीं हैं या इतनी नहीं है कि परेशान करके रख दें। क्योंकि एआई रिश्ते 'कंट्रोल्ड' होते हैं और उनको संभालना आसान होता है। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह भी है कि एआई अब इस कदर एडवांस हो चुका है कि वह लोगों को 'सोचने और समझने' का भी भ्रम पैदा कर रहा है।

रियल रिलेशन होंगे वीक

इस उभरते नए डिजिटल रिलेशन को लेकर गंभीर सवाल यह है कि अगर इस सिलसिले को जल्द रोका न गया, तो क्या होगा? भले ही अभी यह ट्रेंड रोमांचित कर रहा है, लेकिन सच है कि इससे हमारे जैविक रिश्ते आने वाले दिनों में बेहद कमजोर हो सकते हैं। अगर संबंध विशेषज्ञों की मानें तो यह सिलसिला इसी तरह बेकाबू आगे बढ़ता रहा तो असली रिश्ते में दूरियां बढ़ने लगेंगी। हममें से ज्यादातर लोगों के रिश्तों के नाम एआई पार्टनर होंगे, क्योंकि एआई पार्टनर झगड़ा नहीं करते और हमेशा आपकी हां में हां मिलाते हैं। इससे असली रिश्ते जटिल लगने लगते हैं और एआई रिश्ते आकर्षक हो जाते हैं। जो लोग हर दिन एआई के साथ एक से दो घंटे के लिए संपर्क में रहते हैं, उन्हें एआई से लगाव हो जाता है। वे उसे अपने पार्टनर के रूप में स्वीकार करने लगते हैं। यह वैसा ही है, जैसे सोशल मीडिया एडिक्शन। पर, यह उससे भी एक कदम आगे का एडिक्शन है, क्योंकि इससे हमारे न सिर्फ भावनात्मक रिश्ते पर चोट लग रही है बल्कि इसके कारण हमारे समाज का सदियों से मौजूद पारंपरिक ढांचा दरकने लगा है।

मेंटल हेल्थ पर बुरा असर

डिजिटल रिलेशन का असर सिर्फ भावनात्मक रिश्तों तक ही सीमित नहीं रहता है बल्कि बढ़ते जीएफ/बीएफ ट्रेंड के कारण हमारे युवाओं के मेंटल हेल्थ पर भी गंभीर असर पड़ता है, क्योंकि शुरुआत में ये डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड या गर्लफ्रेंड भले राहत देते हों, लेकिन जब आप लगातार इनके टच में रहते हैं या इनका इस्तेमाल करते हैं, तो ये न केवल आपको अकेलेपन के दलदल में खींच ले जाते हैं बल्कि आपको कई तरह की हताशाओं और निराशाओं से भी भर देते हैं। अकसर एआई कंपेनियनशिप के साथ जो लोग खुश होते हैं, उन्हें नजदीक के इंसानों से रिश्ते बनाने में बड़ी मुश्किल लगती है और अगर किसी तरह से इनके रिश्ते बन भी गए, तो उन्हें यह रिश्ते बहुत पसंद नहीं आते। *

बढ़ सकती हैं कई तरह की समस्याएं

डिजिटल जीएफ/बीएफ का बढ़ता ट्रेंड सचमुच में डरावना है। इससे आने वाले समय में कई समस्याएं सामने आ सकती हैं। इसके बढ़ने से शादी और परिवार की संस्था कमजोर होगी। कस्टम पार्टनर की आदत यानी हम जैसा साथी चाहते हैं या दूसरे शब्दों में अपनी कल्पना के साथी की तलाश में रहने लगेंगे। अगर यह चलन इसी तरह तेजी से बढ़ता रहा, तो देश और दुनिया में अकेले रहने वाले लोगों की संख्या बहुत ज्यादा हो जाएगी। कई विशेषज्ञों के मुताबिक तो अगले दो-तीन दशकों में अकेले रहने वाले लोग, साथ में रहने वाले लोगों से भी ज्यादा हो सकते हैं। इससे सामाजिक दूरी भी बढ़ेगी। यह ट्रेंड मानव समाज के सामने एक गंभीर चुनौती बन सकता है।

इंसानी सभ्यता की शुरुआत से ही हमेशा जवान, खूबसूरत दिखने की चाहत रही है। इसे पाने के लिए नेचुरल तरीकों से लेकर, साइंस, दवाएं और अब एआई तक का यूज किया जा रहा है। उम्मीद है कि जल्द ही खूबसूरती का कोई पर्मानेंट सॉल्यूशन हमें मिल जाएगा।

पर्मानेंट खूबसूरती की चाहत
जल्द मिल सकता है सॉल्यूशन

{ टेक्नोसाइंस / प्रतिमा अरोड़ा }

इंसानी खूबसूरती का क्या कोई स्थायी और सार्वभौमिक फार्मूला हो सकता है? 19वीं शताब्दी से ही विज्ञान इस सवाल का जवाब ढूंढ़ रहा है। आधुनिक विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, जेनेटिक्स और कॉस्मेटिक मेडिसिन का अब लगभग यह केंद्रीय विषय बन चुका है कि दुनिया भर के इंसानों के लिए एक सार्वभौमिक खूबसूरती का पैमाना क्या हो और इसे पूरी दुनिया के स्तर पर संभव कैसे बनाया जाए? यह सोच और यह खोज इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि इंसान सदियों से सुंदर होने के उपाय खोजता रहा है। कभी प्राकृतिक नुस्खों से, कभी शल्य चिकित्सा से, कभी जीन एडिटिंग से, तो अब एआई आधारित तकनीकों से भी।

खूबसूरती की खोज की शुरुआत

19वीं सदी के अंत से ही वैज्ञानिक इंसान की स्थायी खूबसूरती का समाधान खोज रहे हैं। विशेषकर जब से शरीर रचना विज्ञान यानी एनाटॉमी और त्वचा विज्ञान यानी डर्मेटोलॉजी का व्यवस्थित विकास हुआ। तभी से विज्ञान कुछ बातों पर फोकस कर रहा है। जैसे-त्वचा की संरचना का विज्ञान क्या है और इसे हमेशा जवान कैसे बनाए रखा जा सकता है? आखिर उम्र बढ़ने की प्रक्रिया क्या है और इसे कैसे रोका जा सकता है? हार्मोन और सौंदर्य के बीच क्या संबंध हैं, क्या हार्मोन में ही इंसानी सौंदर्य का रहस्य छिपा है? 20वीं सदी के मध्य में प्लास्टिक सर्जरी के बाद कॉस्मेटिक सर्जरी लगभग चमत्कार की तरह उभरकर सामने आई। इस दौर में अनेक जैविक शोधों से यह स्पष्ट हुआ कि त्वचा का रंग, बालों की बनावट, चेहरे की आकृति और झुर्रियां इन सबका बड़ा हिस्सा जीन द्वारा नियंत्रित होता है। अतः जीन नियंत्रण का विज्ञान समझ लिया जाए तो एक तरह से खूबसूरती पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

सौंदर्य का केंद्र जेनेटिक्स

साल 2003 में ह्यूमन जीनोम प्रोजेक्ट लांच हुआ और यह विज्ञान के लिए मील का पत्थर साबित हुआ। इससे यह समझ में आया कि मानव शरीर में मौजूद हजारों जीन, हमारे शरीर की अलग-अलग संरचनाओं और गुणों के लिए जिम्मेदार हैं। इस शोध से पता चला त्वचा की मोटाई का कारण क्या है? कोलेजन का उत्पादन कैसे होता है? उम्र बढ़ने की गति क्या होती है? बाल झड़ते क्यों हैं? केंद्रीय रूप से इन सबके पीछे विशिष्ट कारण सिर्फ जीन हैं। आज वैज्ञानिक जीनों की पहचान करके एजिंग के रहस्य का पर्दाफाश करने में लगे हैं। इस शोध और लगातार कोशिश का निष्कर्ष यह है कि सैद्धांतिक रूप से जीन स्तर पर बदलाव करके उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा किया जा सकता है।

प्रभावी है कॉस्मेटिक टेक्नोलॉजी

हालांकि कॉस्मेटिक टेक्नोलॉजी अभी अस्थायी ही है। लेकिन निश्चित रूप से यह सौंदर्य विज्ञान का सबसे विकसित क्षेत्र है और एस्थेटिक मेडिसिन को भविष्य इंसान की खूबसूरती को स्थायी रूप देने में सक्षम माना जा रहा है। आज इसी विज्ञान के चलते-बोटोक्स, डर्मल फिलर्स, लेजर स्किन रिसर्फेसिंग तथा केमिकल पिल्स जैसी प्रक्रियाओं से लोग अपनी झुर्रियां कम कर रहे हैं। त्वचा को चिकनी, मुलायम और टाइट रख पाने में सफल हो रहे हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि चेहरे को पसंदीदा आकृति देने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि अभी यह 100 फीसदी संभव नहीं है, लेकिन हर गुजरते साल के साथ यह पहले से बेहतर होती जा रही है। इस बात का सबूत है कि बहुत जल्द इंसानी खूबसूरती का स्थायी समाधान बनकर कॉस्मेटिक टेक्नोलॉजी सामने आएगा।

जीन एडिटिंग में है भविष्य

साल 2012 के बाद जीन एडिटिंग तकनीक, जिसे सीआरआईएसपीआर-सीएएस-9 कहा जाता है, ने चिकित्सा जगत में क्रांति ला दी। इस तकनीक के जरिए वैज्ञानिक खराब जीन काट सकते हैं, नए जीन जोड़ सकते हैं, जीन के व्यवहार को नियंत्रित कर सकते हैं। ये सब सहूलियतें उम्मीद जता रही हैं कि भविष्य में इंसान गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, थैलेसीमिया और जेनेटिक डिसऑर्डर से पार पाने में सफल रहेगा। एजिंग के प्रभाव को धीमा किया जा सकता है, बालों के झड़ने को रोका जा सकता है, त्वचा को युवा बनाए रखने की स्थायी तरकीब ढूंढ़ी जा सकती है। लब्बोलुआब यह कि सिर्फ सुंदरता बढ़ाने के लिए नहीं बल्कि जीवन को गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए, जीन एडिटिंग की कवायद लगातार जारी है।

एआई और पर्सनलाइज्ड ब्यूटी

एआई आधारित सिस्टम के जरिए अब हम यह जान सकते हैं कि किसी व्यक्ति की त्वचा कितनी बूढ़ी है और वह किस रफ्तार से बूढ़ी हो रही है? वास्तव में इस सारी जानकारी को पर्सनलाइज्ड ब्यूटी प्लान के नाम से जानते हैं और इस प्लान के अस्तित्व में आने के बाद अब अलग-अलग इंसानों का स्वतंत्र रूप से खूबसूरत और स्वस्थ होना ज्यादा आसान और गारंटीड हुआ है। वैज्ञानिकों को भरोसा है कि अब खूबसूरती का स्थायी समाधान हासिल करने में बहुत देर नहीं है। *

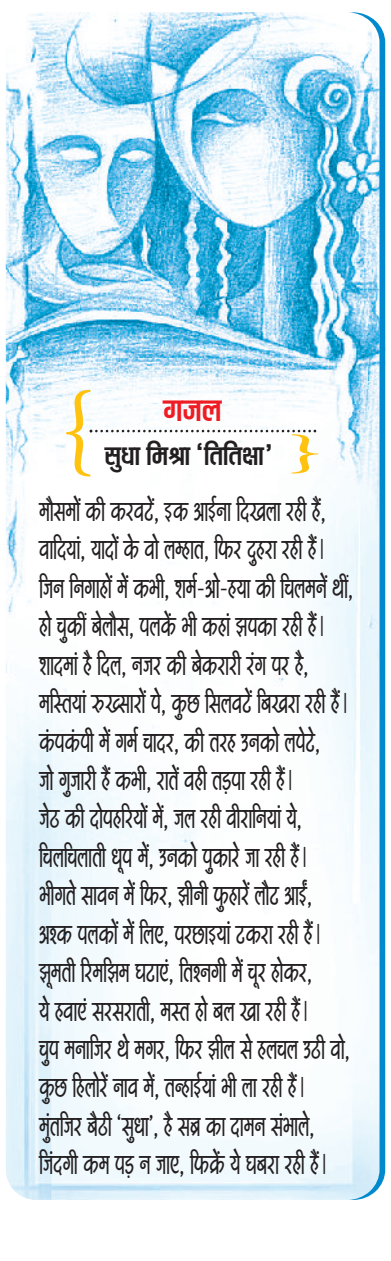

{ गजल / सुधा मिश्रा 'तितिक्षा' }

मौसमों की करवटें, इक आईना दिखला रही हैं,
वादियां, यादों के वो लम्हात, फिर दुहरा रही हैं।
जिन निगाहों में कभी, शर्म-ओ-हया की थिलमनें थीं,
हो चुकीं बेलौस, पलकें भी कहां झपका रही हैं।
शादमां है दिल, नजर की बेकरारी रंग पर है,
मस्तियां रुख्सारों पे, कुछ सिलवटें बिखरा रही हैं।
कंपकंपी में गर्म चादर, की तरह उनको लपेटे,
जो गुजारी हैं कभी, रातें वही तड़पा रही हैं।
जेठ की दोपहरियों में, जल रही वीरानियां ये,
चिलचिलाती धूप में, उनको पुकारे जा रही हैं।
भीगते सावन में फिर, ज़ीनी फुहारें लौट आईं,
अश्क पलकों में लिए, परछाइयां टकरा रही हैं।
झूमती रिमझिम घटाएं, तिश्नगी में चूर होकर,
ये ख्वाएं सरसराती, मस्त हो बल खा रही हैं।
चुप मनाजिर थे मगर, फिर झील से हलचल उठी वो,
कुछ हिलोरें नाव में, तन्हाईयां भी ला रही हैं।
मुंतजिर बैठी 'सुधा', है सब्र का दामन संभाले,
जिंदगी कम पड़ न जाए, फिक्रें ये घबरा रही हैं।

{ स्मरण / अरविंद कुमार }

सभी करते थे बाबू जी का सम्मान

हिंदी के प्रख्यात कथाकार अमरकांत जी का यह जन्मशती वर्ष है। उनकी कहानियों और उपन्यासों से तो अधिकांश साहित्यप्रेमी परिचित हैं ही, पर उनके व्यक्तित्व और स्वभाव में उपस्थित सदाशयता, विनम्रता के बारे में लोग कम ही जानते हैं। उनके सुपुत्र अरविंद कुमार ने अपने पिता से जुड़ी कुछ भावभीनी स्मृतियां **हरिभूमि** से साझा कीं। दुर्भाग्य से कुछ माह पूर्व अरविंद जी का निधन हो गया।

बाबू जी (अमरकांत जी) सपरिवार लखनऊ से जब करेलाबाग कॉलोनी (इलाहाबाद अब प्रयागराज) में आकर रहने लगे तो वहां एक अलग माहौल देखने को मिला। इस कॉलोनी में पांच सौ चार क्वार्टर्स हुआ करते थे, जिसमें हिंदू, मुसलमान, सिख और ईसाई सभी रहा करते। वहां बहुत ही सुखद सामाजिक रिश्तों का ताना-बाना, सौहार्दपूर्ण वातावरण देखने को मिला। हर तरफ हरियाली एवं सांस्कृतिक परिवेश का माहौल था। हमारे क्वार्टर के ठीक सामने एक बड़ा अमलतास का पेड़ था। गर्मियों में इसके फूल खिलते तो ऐसा महसूस होता था, जैसे पेड़ पीले गहनों से सजा हुआ है, एक बार नामवर सिंह जी दो-चार लोगों के साथ आए तो इस स्थान ने उन्हें अभिभूत कर दिया, वे बोले, 'अमरकांत जी हम लोग इसी मनोरम जगह पर बैठेंगे। सुबह का समय, यहां की अनुभूति कैसी होती है, महसूस किया जाए।' दरअसल, पेड़ों पर तरह-तरह के पक्षियों का आवागमन, उनका कलरव मोहक लगता। इसीलिए आने वाले लोगों को यह स्थान मनोरम लगता।

कॉलोनी के बाहर की एक सड़क (नूर उल्लाह रोड, जो स्टेशन से सीधी करेली गांव तक जाती) पर मिस्टर रफी अहमद नाम के व्यक्ति का प्रेस एवं पेपर कटिंग मशीन लगी थी। इस स्थान पर रोजाना दो खेल शतरंज एवं कैरम सायं सात बजे से रात्रि बारह बजे तक नियम से खेला जाता। रफी साहब का बाबू जी से बहुत अच्छा संबंध था। बाबू जी को भी उक्त दोनों खेल पसंद थे। शनिवार के दिन अकसर वहां उनका इंतजार रहता। बगल के मोहल्ला रसूलपुर से भी शतरंज और कैरम में रुचि रखने वाले कुछ लोग आते, जिसमें दो नाम खासतौर पर मुझे याद हैं एक बहार आलम, जो पेशे से वकील, साहित्य कला में भी दिलचस्पी रखते थे। और उनके छोटे भाई नन्हे पहलवान भी उनके साथ आया करते थे। एक रोज की बात है, मां ने मुझसे कहा, 'रात अधिक हो गई है। रफी अहमद के यहां जाकर देखो बाबू जी अभी आए क्यों नहीं?' मैं कुछ ही समय पश्चात वहां पहुंच गया। खेल में बड़ी खामोशी थी। शतरंज की अंतिम बाजी पर लोगों की निगाहें गड़ी हुई थीं। कई शोहरतमंद गणमान्य व्यक्तियों की मौजूदगी में खेल हो रहा था। उर्दू अनुवादक हुनर साहब, स्थानीय विधायक हबीब अहमद आपस में बाजी लगा बैठे थे। बाबू जी की दूसरी तरफ खिलाड़ी बहार आलम थे। पंद्रह मिनट का समय लगा, बाजी बाबू जी ने अपने पक्ष में कर ली। सभी बाबू जी को बधाई देने लगे। पर वे बहार आलम के खेल की सराहना करते जा रहे थे, 'बहुत अच्छा खेला आपने।' बाबूजी का स्वभाव ऐसा ही था, उनमें दंभ जरा भी नहीं था।

बाबूजी से जुड़ी एक और स्मृति याद आ रही है। अक्टूबर 1987 का दिन, वे गंभीर रूप से बीमार पड़े। वे मेटाबॉलिक बोन डिजीज से ग्रसित हो गए। उन्हें स्पाइनल कॉर्ड में इंफेक्शन हो गया था। प्रारंभ में कई डॉक्टरों से संपर्क किया गया, डॉक्टरों ने जॉगिंग और एक्सरसाइज करने की सलाह दी। उन्हें पेनकिलर के सहारे मुक्त कर दिया गया। समस्या यह हो गई कि उन्हें कोई भी खान-पान की चीज अच्छी नहीं लग रही थी और उनके बैक बोन में असहनीय दर्द था। मेडिकल कॉलेज के हड्डी के एक्सपर्ट डॉक्टरों ने कहा,'घबराने की बात नहीं है उम्र का तकाजा है।' जबकि ऐसी भी उम्र नहीं थी कि उस पर दोष मढ़ा जाए। बहरहाल, वे घर आ गए। मगर समस्या जस की तस बनी रही।

वे उन दिनों महिलाओं की पत्रिका 'मनोरमा' का संपादन कर रहे थे, किंतु स्वास्थ्य की वजह से असमर्थ हो गए थे। इसकी जानकारी डॉ. शांति चौधरी जी को हुई तो वे भागे-भागे घर पर आईं और पूरी जानकारी ली। उन्होंने अगले दिन इलाहाबाद मेडिकल कॉलेज में वीआईपी वार्ड बुक करवाया। सभी चेकअप हुए। जानकारी मिली कि बाबू जी का हीमोग्लोबिन चार प्रतिशत पर आ गया है, जोकि बहुत ही चिंताजनक था। नामी विशेषज्ञ डॉक्टर ने देखा। बाबू जी दो दिन अस्पताल में रहकर वापस घर आ गए। शांति चौधरी जी, बाबू जी को पिता तुल्य मानती थीं। हम लोगों का उनसे बहुत आत्मीय रिश्ता रहा है। वह 'मनोरमा' से विशेष कार्याधिकारी के रूप में जुड़ी थीं और इलाहाबाद मेडिकल कॉलेज में पीआरओ के पद पर थीं।

कुछ दिनों तक जब बाबू जी की सेहत में कोई सुधार नहीं हुआ तो चिंता हुई। तभी उन्हें देखने के लिए एस. के. दुबे आए जो टाइम्स ऑफ इंडिया के ब्यूरो चीफ थे। उन्होंने बताया डॉ. आर. सी. गुप्ता ऑस्ट्रेलिया से आ गए हैं, एक बार उन्हें बाबू जी को दिखाया जाएगा। उस समय रात्रि के आठ बजे हुए थे। लेकिन मुझे दूसरे दिन पर न टालकर रात्रि में ही ले जाना उचित लगा।

क्लीनिक बंद होने का समय रात्रि नौ बजे तक था। हम लोग पौने नौ बजे अस्पताल पहुंच गए। काउंटर बंद हो रहा था। डॉक्टर के असिस्टेंट डॉ. ए. के. सिंह ने बताया कि आप फीस जल्दी जमा कर दें, डॉ. साहब उठने वाले हैं। तभी डॉ. आर. सी. गुप्ता हम लोगों के समीप आए। उनकी पोशाक, पैर में खड़ाऊ और खद्दर का कुर्ता-पाजामा। पूछा, 'इन्हें क्या हो गया?' मैंने सभी बातें बताईं। उन्होंने असिस्टेंट डॉ. सिंह से कहा कि उस जगह का एक्स-रे करें जहां दर्द है। मैंने बताया प्रेस में जॉब करते हैं। फिर उनका सवाल था खड़े होकर काम करते हैं या बैठकर? मैंने कहा, 'बैठकर ही करते हैं।'

डॉक्टर गुप्ता ने पूछा, 'प्रेस कहां पर है?' जब मैंने प्रेस का नाम बताया, तो बोले, 'अरे यह प्रेस तो बहुत बड़ा है। यहां से तो पांच-छह मशहूर पत्रिकाएं निकलती हैं माया, मनोरमा, सत्यकथा, मनोहर कहानियां, प्रोब इंडिया। मनोरमा के संपादक तुम्हारे पिता के नाम वाले ही हैं, उनका नाम अमरकांत है, मगर वह बड़े राइटर हैं।'

मैंने जब उनसे कहा कि वे यही हैं। इस पर पहले तो डॉक्टर साहब मुझे कुछ सेकेंड एकटक देखते रहे फिर उठकर एक्स-रे रूम में गए। कुछ सेकेंड में डॉक्टर ए. के. सिंह जी बाहर आए और रसीद काउंटर रूम में गए। मेरे जमा किए गए पैसे लाकर विनम्रतापूर्वक मुझे दे दिए। बोले, 'डॉक्टर साहब ने पैसे वापस करने के लिए कहा है।' डॉक्टर आर. सी. गुप्ता पंद्रह-बीस मिनट में अपने चैंबर में वापस आ गए, बोले, 'जो मुझे शक था वही निकला।' उन्होंने अपने क्लीनिक से पूरे एक माह की दवा मुझे दी। मैं पैसे निकालने लगा, तो मना कर दिया, फिर बोले 'इनका पूरा इलाज मैं करूंगा। आपको कोई तनाव नहीं लेना है। मैं आपके साथ हूं। मुझे अमरकांत जी की सेवा करने का मौका मिला, मेरा सौभाग्य है। मैं कमिश्नर, मंत्री के घर नहीं जाता हूं, लेकिन मैं आपके घर नियमित आकर इनको देखूंगा। अस्पताल आने की जरूरत नहीं है, घर पर ही सभी इंतजाम करवा दूंगा।' उन्होंने सच में ऐसा ही किया। घर पर ही बाबू जी को ट्रैक्शन लगवाया, साथ ही कमर से लेकर छाती तक प्लास्टर भी करवाया। छह माह तक वे बाबू जी को देखने घर नियमित आते रहे, न कभी फीस लिया और दवा, इंजेक्शन के खर्च से भी मुक्त रखा। बाबू जी छह माह ट्रैक्शन, प्लास्टर और दवा पर रहे, सीधे लेटे रहते। मर्ज जरूर दूर हो गया किंतु स्पाइनल कॉर्ड डिफार्म हो गया। बाबू जी को कष्ट तो बहुत रहा लेकिन डॉक्टर आर. सी. गुप्ता जैसे लोगों का उनके प्रति आदर और प्रेम देखकर मैं अभिभूत हो जाता था। बाबू जी इतने बड़े लेखक-संपादक थे लेकिन उनका व्यक्तित्व इतना सरल रहता कि हर कोई उनका सम्मान करता था। *

सैर-सपाटा
अंशु सिंह

भारत के उत्तरपूर्व में छोटा सा प्रदेश है- सिक्किम। इसका एक तिहाई हिस्सा बायोस्फीयर रिजर्व और यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट है, जहां दुनिया की तीसरी सबसे ऊंची चोटी, माउंट कंचनजंगा स्थित है। यहां की संस्कृति मिली-जुली है। खाना अनोखा है, नजारे शानदार, सड़कें साफ-सुथरी और माहौल बहुत शांत है। कुछ समय पूर्व ही सिक्किम की यात्रा से लौटीं लेखिका इसकी खूबसूरती बयां कर रही हैं अपनी जुबानी।

जन्नत से कम नहीं सिक्किम

हालांकि देश के अलग-अलग हिस्से में यात्राएं तो मैंने कई की हैं। लेकिन अब तक देश के उत्तरी पूर्वी राज्यों में से कहीं जाना नहीं हुआ था। इसलिए जिस दिन सिक्किम यात्रा का प्लान फाइनल हुआ, उस दिन से मन में एक अलग-सा उल्लास भर गया था। दिल्ली से सिक्किम जाने के दो विकल्प थे- ट्रेन या हवाई जहाज। हमारे समूह ने ट्रेन से जाने का निर्णय लिया। दिल्ली से पहले पश्चिम बंगाल के नई जलपाईगुड़ी और फिर वहां से प्राइवेट कैब लेकर गंगटोक। यह यात्रा काफी दिलचस्प रही। पहाड़, जंगल, संग-संग बहती तीस्ता नदी और छोटे-छोटे गांव, कस्बों को पार करते हुए आखिरकार हम गंगटोक पहुंचे।

गंगटोक ने मोह लिया मन

हिमालय की गोद में बसा गंगटोक एक ऐसा स्थान है, जहां बादल पहाड़ों के साथ अठखेलियां करते हैं, तो नदियां अपनी ही धुन में गीत गाती बहती हैं। यह नजारा किसी जन्नत से कम नहीं लगता। जैसे ही सूरज की किरणें बर्फ से ढंकी चोटियों को चूमती हैं, नीचे हरी-भरी घाटियों पर सुनहरी आभा बिखर जाती है। अपने रंग-बिरंगे बौद्ध मठों, बाजारों और मोहक नजारों से सजा गंगटोक बेमिसाल है। सिक्किम की यह राजधानी दुनिया के कुछ सबसे शानदार बौद्ध मठों का घर है, जिसमें सबसे मशहूर मठ है रुमटेक मठ। गंगटोक से करीब 21 किमी दूर स्थित इस मठ के शांत माहौल में आप रम जाएंगे। इसके अलावा, बीच शहर में स्थित गोनजैंग मठ भी कम मनमोहक नहीं है। शहर के अन्य आकर्षणों में बानझाकरी वॉटरफॉल, ताशी व्यू प्वाइंट, गणेश टोक, हनुमान टोक, गैंगटोक रोप-वे राइड, हिमालयन जूलॉजिकल पार्क और ऑर्किडेरियम मुख्य हैं।

टेमी टी गार्डन से कंचनगंजा के दीदार

गंगटोक पहुंचने के दूसरे दिन, सुबह नाश्ता करके हम सभी पश्चिम सिक्किम के पेल्लिंग के लिए रवाना हुए, जो करीब 130 किमी. दूर था। हमारा पहला पड़ाव टेमी चाय बागान था। यह सिक्किम का एकमात्र टी गार्डन है, जहां ऑर्गेनिक चाय की पैदावार होती है। घुमावदार रास्तों से जब हमने इस गार्डन में प्रवेश किया, तो वहां की खूबसूरत छटा देखते ही रह गए। मौसम साफ था, तो वहां से कंचनजंगा चोटी के दीदार भी हुए। कुछ समय बिताने के पश्चात हम आगे बढ़े। शाम करीब 4.15 बजे हम पेल्लिंग स्थित अपने होम स्टे पर पहुंच गए। वहां सभी का स्थानीय रीति-रिवाज के अनुसार, स्वागत हुआ। लेकिन तब तक मौसम का रंग बदल चुका था। रिमझिम शुरू हो गई। अगली सुबह भी बारिश थमी नहीं। लेकिन नौ बजते-बजते आसमान साफ होने लगा। हम निकल पड़े पेल्लिंग की ओर।

पश्चिमी सिक्किम का नगीना-पेल्लिंग

पेल्लिंग एक शांत कस्बा है, जो करीब 7,050 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। यह प्रकृति प्रेमियों के लिए किसी स्वर्ग सरीखा है। हरी-भरी घाटियों, झर-झर गिरते झरनों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के साथ यह इलाका सिक्किम के मूल स्वरूप को बेहद खूबसूरती से समेटे हुए है। यहां अकसर कोहरा और बादल छाए रहते हैं, जो इसकी अलौकिक सुंदरता को और भी बढ़ा देते हैं। यहां ट्रैकिंग, माउंटेन बाइकिंग, बर्ड वॉचिंग करने के अलावा, प्राचीन मठ, गोंपा और स्तूपों से लेकर यूनेस्को द्वारा घोषित विश्व धरोहर कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान एवं पवित्र खेचेओपालरी झील की सैर कर सकते हैं। हमने कुछ चुनिंदा स्थानों पर जाना तय किया।

पेमायंगत्से मठः 17वीं सदी में स्थापित, सिक्किम के सबसे पुराने मठों में से एक पेमायंगत्से मठ में दुर्लभ कलाकृतियां देखने को मिलेंगे।

खेचेओपालरी झीलः बौद्ध और हिंदू धर्म में पूज्यनीय माने जाने वाले पवित्र खेचेओपालरी झील में एक अलग ही अनुभव होता है। मान्यता है कि मनोकामना पूर्ति करने वाली इस झील के शांत जल को गुरु पद्मसिन और देवी तारा का आशीर्वाद प्राप्त है।

सिडकियोंग बर्ड पार्कः पक्षी प्रेमियों के लिए पेल्लिंग और रबदंत्से के बीच एक खास आकर्षण का स्थल है- सिडकियोंग बर्ड पार्क, जो हिमालयी क्षेत्र में पाए जाने वाले देशी-विदेशी पक्षियों का घर है।

रिवर ऑरेंज गार्डनः रिंबी नदी के किनारे स्थित इस गार्डन में संतरे के बेशुमार पेड़ लगे हैं। ऑरेंज गार्डन के अंदर एक विलेज होमस्टे, कुछ दुकानें और रेस्टोरेंट भी हैं।

ग्लास स्काईवॉकः ग्लास स्काईवॉक पेल्लिंग के बेहद शानदार अनुभवों में से एक है। देश के इस पहले 'ग्लास स्काईवॉक' के अनुभव को भुलाया नहीं जा सकता, जो समुद्रतल से लगभग 7200 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। जब आप इसके पारदर्शी शीशे के फर्श पर कदम रखते हैं, तो हवा में चलने जैसा एहसास होता है। नीचे घाटी को देखते हुए रोमांचक अनुभव होने के साथ-साथ थोड़ी घबराहट भी होती है। लेकिन आस-पास के हरे-भरे नजारे और पूर्वी हिमालय के शानदार दृश्य मन को सुकून देते हैं। स्काईवॉक के समीप ही चार भुजाओं वाले चेनरेजिंग (अवलोकितेश्वर) की 137 फीट ऊंची मूर्ति भी स्थित है।

नामची में चार धाम के दिव्य दर्शन

पेल्लिंग में दो दिन बिताने के उपरांत हमारा अगला डेस्टिनेशन था, सिक्किम के दक्षिण में स्थित नामची। इसे राज्य का सांस्कृतिक और धार्मिक केंद्र कहते हैं। यहां हमने 'चार धाम' मंदिर के दर्शन किए। असल में यहां भारत के चार पवित्र मंदिरों- बद्रीनाथ, जगन्नाथ, द्वारका और रामेश्वरम की प्रतिकृतियां बनाई गई हैं। मंदिर परिसर में भगवान शिव की 108 फुट ऊंची प्रतिमा मुख्य आकर्षण का केंद्र है। समीप में एक भव्य साईं मंदिर भी है।

रावंगला का अलौकिक बुद्ध पार्क

नामची से जब हम रावंगला की ओर बढ़े, तो वहां हमें एक भव्य बुद्ध पार्क के दर्शन हुए, जिसे 'तथागत त्सल' के नाम से भी जाना जाता है। यहां शाक्यमुनि बुद्ध की 130 फुट ऊंची, अत्यंत सुंदर प्रतिमा स्थित है।

मनमोहक त्सोंगो झील

गंगटोक से लगभग 40 किलोमीटर दूर (गंगटोक-नाथुला हाइवे), 12,313 फीट की ऊंचाई पर स्थित त्सोंगो झील एक हिमनद झील है, जो अपने शानदार प्राकृतिक नजारों और गहरे सांस्कृतिक महत्व के लिए जानी जाती है। इसकी सतह

का रंग मौसम के अनुसार, बदलता रहता है। जैसे ही हम इसके करीब पहुंचे, वहां का नजारा कल्पना से भी परे था। चारों ओर बर्फ से ढंकी चोटियां और हरे-भरे घास के मैदान। यह किसी परी कथा से सीधे निकला हुआ दृश्य लग रहा था। हमने यहां न सिर्फ बर्फ में मस्ती, याक की सवारी की, बल्कि दुनिया के सबसे ऊंचे रोप-वे की रोमांचक यात्रा भी की।

लाचुंग की यादगार यात्रा

हमारा अगला पड़ाव अब सिक्किम का उत्तरी भाग था, जो क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा और अधिक रिमोट क्षेत्र है। गंगटोक से लाचुंग की दूरी करीब 102 किमी. है। सबसे पहले हमें मिला, सेवन सिस्टर्स वॉटरफॉल्स। इस झरने में सात सीढ़ियां या चरण हैं, इसलिए इसका यह नाम पड़ा। यहां कुछ देर ठहरने के पश्चात हम आगे बढ़े, तो अगला पड़ाव लाचुंग में प्रवेश का चेक प्वाइंट था। लाचुंग में हमने रात में होटल में विश्राम किया और अगले दिन सुबह-सुबह युमथांग घाटी और जीरो प्वाइंट के लिए निकले।

परीलोक जैसा युमथांग घाटी

11,800 फीट से ज्यादा की ऊंचाई पर बसा युमथांग घाटी किसी परीलोक जैसा लगा। अल्पाइन घास के सुंदर मैदान, चारों ओर बर्फ से ढंकी चोटियां, गर्म पानी के झरने और साथ में बहती लाचुंग नदी। इसे फूलों की घाटी भी कहते हैं। यहां खासकर रोडोडेंड्रोन के फूल खिलते हैं, जो वैली को गुलाबी, लाल और बैंगनी रंगों से रंग देते हैं।

धरती का वंडरलैंड जीरो प्वाइंट

युमथांग घाटी के सर्पीले रास्तों से गुजरते हुए हमारा साक्षात्कार धरती पर एक अलग ही दुनिया से होता है, जिसे 'जीरो प्वाइंट' (या युमेसमडोंग) कहते हैं। उत्तरी सिक्किम में 15,300 फीट की ऊंचाई पर भारत-चीन सीमा के पास स्थित यह एक सफेद वंडरलैंड है। यहां ऑक्सीजन की मात्रा कम होती है, तो आपको नीचे से ही पोर्टेबल ऑक्सीजन कैन लेकर आना होता है। जीरो प्वाइंट पर सिर्फ भारतीय सैलानी ही आ सकते हैं। उन्हें सिक्किम टूरिज्म डिपार्टमेंट से प्रोटेक्टेड एरिया परमिट की जरूरत पड़ती है, जो रजिस्टर्ड टूर ऑपरेटर के जरिए एडवांस में लेना होता है। *

कब जाएं : सिक्किम जाने का बेस्ट टाइम है मार्च से मई का महीना। इसके अलावा अक्टूबर से दिसंबर के मध्य तक यहां जा सकते हैं। यूं कहें कि मानसून से पहले यहां कभी भी जा सकते हैं।

कैसे जाएं : आमतौर पर सैलानी पश्चिम बंगाल के बागडोगरा तक हवाई यात्रा करते हैं और वहां से कैब के जरिए गंगटोक जाते हैं। आगे की यात्रा भी सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त टूर ऑपरेटर के कैब या टैक्सी से करते हैं। बागडोगरा के अलावा, गंगटोक से 35 किमी दूर स्पेशल पाकयोंग एयरपोर्ट भी है। ट्रेन से आप सिलिगुड़ी या न्यू जलपाईगुड़ी तक पहुंच सकते हैं और वहां से कैब से गंगटोक जा सकते हैं।

परफ्यूम-डिओड्रेंट से मिले फ्रेश फील

सीजनल ट्रेंड / विवेक कुमार

गर्मी के मौसम में युवाओं की लाइफस्टाइल में कई तरह के बदलाव देखने को मिलते हैं। उनके ड्रेस कलर हल्के हो जाते हैं। फुटवियर कंफर्टेबल और पसीना सोखने वाले पहनने लगते हैं। स्किन केयर प्रोडक्ट्स की संख्या बढ़ जाती है और इन सब चीजों के साथ ही शामिल हो जाता है डिओड्रेंट और परफ्यूम।

बढ़ा है ट्रेंडः एक जमाना था, जब केवल खास मौकों पर ही परफ्यूम, डिओड्रेंट आदि का इस्तेमाल किया जाता था। लेकिन आज के युवाओं की डेली लाइफस्टाइल के लिए ये जरूरी चीजें बन गई हैं, क्योंकि अब खुशबू केवल सौंदर्य का विषय नहीं बल्कि आत्मविश्वास और व्यक्तित्व का भी हिस्सा है। इसलिए कॉलेज से लेकर सोशल गेदरिंग और दफ्तर तक में परफ्यूम, डिओड्रेंट का चलन बहुत बढ़ गया है।

गर्मियों में इसलिए भी है जरूरीः गर्मियों में शरीर से पसीना बहुत निकलता है। इस कारण शरीर में बैक्टीरिया तेजी से सक्रिय होते हैं और शरीर से दुर्गंध आने लगती है। यंगस्टर्स सबसे ज्यादा भागदौड़ करते हैं और बहुत सारे लोगों से मिलते-जुलते हैं। ऐसे में शरीर से अच्छी खुशबू आना और फ्रेश फील करना, जरूरी हो जाता है। यही वजह है कि गर्मी के मौसम में डिओड्रेंट और परफ्यूम युवाओं के लिए सबसे जरूरी एसेसरीज बन जाती हैं।

बदल रही है च्वॉइसः फ्रेगरेंस की बात करें तो पहले के जमाने में लोग सिट्रस, एक्वा, मिंट, फ्लोरल नोट्स वाले परफ्यूम इस्तेमाल किया करते थे। जबकि लड़कियां बॉडी मिस्ट और हल्के फ्रूटी परफ्यूम पसंद करती थीं। लेकिन आजकल

स्पोर्टी और मस्क फ्रेगरेंस का चलन बढ़ा है।

बढ़ी है डिमांड-सप्लाईः कुछ दशक पहले के युवाओं के मुकाबले आज के युवाओं की अर्निंग और परचेजिंग पावर बढ़ी है। जो टीनएजर अपने मम्मी-पापा पर पॉकेटमनी के लिए डिपेंड हैं, उनकी पॉकेटमनी भी पहले से काफी ज्यादा बढ़ गई है। इस कारण भी बाजार में परफ्यूम और डिओड्रेंट जैसी एसेसरीज की भरमार हो गई है। अब केवल बड़े ब्रांड ही नहीं बल्कि कई भारतीय स्टार्टअप भी युवाओं को ध्यान में रखकर नए-नए प्रोडक्ट्स लांच कर रहे हैं। मसलन, पॉकेट परफ्यूम, मिनी रोल-ऑन, एल्कोहल फ्री डिओड्रेंट आदि तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। *

सिने ट्रेंड
डी. जे. नंदन

फिल्मों में कितना इफेक्टिव है स्पीड-एडवेंचर का जादू

आज की दौड़ती-भागती जिंदगी जी रहे लोग, खासकर यंगस्टर्स, मनोरंजन के लिए देखी जाने वाली फिल्मों में भी 'स्पीड' यानी तेजी से भागती कहानी पसंद करते हैं। हालांकि कई फिल्में इसकी अपवाद भी रही हैं। फिल्मों में स्पीड और एडवेंचर के सक्सेस से रिलेशन पर एक नजर।

आज का दर्शक ठहराव नहीं, स्पीड चाहता है।' यह धारणा इन दिनों फिल्म जगत में किसी सूत्रवाक्य की तरह हर तरफ गूंज रही है। कहा जा रहा है कि मोबाइल स्क्रीन, रील कल्चर और लगातार बदलती डिजिटल दुनिया ने युवाओं को इतना धैर्यहीन बना दिया है कि अब वह उन्हीं फिल्मों को देख सकते हैं या देखते हैं, जो शुरुआती 10 मिनटों में ही दर्शकों को खुद से जोड़ ले। हर कुछ देर में चौकाएं और कहानी में बिना कोई ठहराव आए, वह लगातार आगे बढ़ती रहे। इसके लिए फिल्मों में तेज एडिटिंग, छोटे दृश्य, लगातार ट्विस्ट और ऊंची भावनात्मक उत्तेजना का चलन बढ़ा है। कुल मिलाकर यह 'हाई इंगेजिंग' ड्रामा का दौर है।

दर्शकों को चाहिए अटैचमेंट हुकः इसमें कोई दो राय नहीं है कि आज का युवा दर्शक शुरू से ही फिल्मों में 'अटैचमेंट हुक' चाहता है। उसमें यह आदत हाल के सालों में विकसित हुई रील कल्चर और विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म ने ही लगाई है, क्योंकि आज के युवा आमतौर पर दिन के तीन से चार घंटे, छोटे वीडियो और तेज रफ्तार सूचनाओं के घेरे में रहते हैं। लगातार बदलती विजुअल एक्साइटमेंट के बीच रहने के कारण उनके स्वभाव में तेजी को लेकर पसंदगी बढ़ी है। बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में भी कुछ इस तरह से हाइप बन गई है कि अगर कहानी देर तक एक ही वातावरण में टिकी रही तो दर्शकों, विशेषकर युवाओं का ध्यान उचट जाएगा और वो फिल्म को नकारा देंगे।

इन फिल्मों ने सेट किया नया ट्रेंडः अब बॉलीवुड ट्रेंड के जानकारों और फिल्म मेकर्स के लिए सफलता का अलिखित सिद्धांत बन चुका है कि युवा दर्शकों को फिल्मों में शुरू से ही बांधकर रखो। किसी बड़े हादसे के जरिए, किसी उलझाऊ रहस्य के जरिए या अंधाधुंध हिंसा अथवा विस्फोट के जरिए। बहरहाल, यह राय बनाने या यूं कहें कि यह ट्रेंड सेट करने में हाल के वर्षों में आई 'जवान' और 'एनिमल' जैसी फिल्मों की बड़ी भूमिका है। क्योंकि इन फिल्मों में तेज रफ्तारी का सिद्धांत ही सबसे ज्यादा मजबूती से खड़ा दिखाई देता है। इन फिल्मों की सफलता और फिर हाल में आई 'धुरंधर-1', 'धुरंधर-2', की सफलता ने ही तेज रफ्तार वाली फिल्मों के लिए माहौल बनाया है। ट्विस्ट और टर्न्स से भरी इन इन सभी फिल्मों में बड़ी तेजी से थोड़ी-थोड़ी देर में दृश्य बदलते हैं।

इमोशनल इंगेजिंग फिल्में भी हुईं सफलः फिल्मों की स्पीड को लेकर सवाल यह भी उठता है कि क्या सचमुच आज का युवा दर्शक सिर्फ तेज रफ्तार फिल्मों का दीवाना है? अगर ऐसा ही होता तो भला '12वीं फेल' और 'लापता लेडीज' जैसी धीमी रफ्तार वाली फिल्मों को युवाओं ने इतना क्यों पसंद किया? दरअसल, बहस सिर्फ स्पीड की नहीं इंगेजमेंट की है। आज का युवा दर्शक वाकई कहानी में अनावश्यक खिंचाव नहीं चाहता, लेकिन इसका मतलब यह भी नहीं है कि वह भावनात्मक गहराई को समझता नहीं या उसे पसंद नहीं करता। जब भी ऐसी फिल्में आती हैं, जिनमें भावनात्मक गहराई मौजूद होती है, तो फिर वह उन्हें निश्चित रूप से पसंद करता है। '12वीं फेल' और 'लापता लेडीज' जैसी फिल्मों का कथानक भी महानगरों से दूर ग्रामीण परिवेश का था, फिर भी ये दोनों फिल्में खासकर युवा दर्शकों द्वारा खूब पसंद की गईं, तो इसका मतलब यह है कि युवा दर्शक सिर्फ तेज स्पीड और हाई इंगेजिंग फिल्मों को ही पसंद नहीं करते बल्कि उन सभी फिल्मों को पसंद करता है, जो उनकी भावनाओं को स्पर्श करती हैं। आज के युवा दर्शक अच्छी कहानी पसंद करते हैं, चाहे वह तेज हो या फिर चाहे धीमी ही क्यों न हो।

पुरानी फिल्मों में नहीं था स्पीड का प्रेशरः पुराने जमाने की फिल्मों के पात्र आपस में देर तक बातचीत करते थे। खामोशी होती थी, तो वह भी कई बार इतनी लंबी होती थी कि दर्शक खुद खामोशी महसूस करने लगता था। इस तरह अगर इस स्पीड के पैमाने पर पुरानी फिल्मों को कसें तो कोई फिल्म ही नहीं हिट होनी चाहिए थी। लेकिन हम जानते हैं कि फिल्मों की सफलता की दर आज के मुकाबले पहले कहीं ज्यादा थी। यह अलग बात है कि आज के मुकाबले फिल्मों की कमाई बहुत कम थी। वास्तव में पेस (स्पीड) इन दिनों सच्चाई से कहीं ज्यादा एक फैशन की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है, जबकि सच यह है कि आज के दर्शक भी गहरे और इंटेंस कम रफ्तार के दृश्य भी खूब पसंद करते हैं।

स्पीड के अलावा भी हैं कई फैक्टर्सः आज का युवा दर्शक सिर्फ धीमेपन से बोर नहीं होता बल्कि बेसिर पैर के फिल्म के खिंचाव, बिना किसी वजह फिल्म को वल्गर बनाने की कोशिश और जबर्दस्ती फिल्मों में ठूंस दिए गए आइटम सॉन्ग जैसे एक्सपेरिमेंट्स से चिढ़ता है। उसे ऐसी फिल्में वाकई ज्यादा पसंद नहीं आतीं, जिनमें जानबूझकर लॉजिक की ऐसी-तैसी की गई हो। आज का दर्शक फिल्म के हर फ्रेम में चाहे वह जिस तरह की भावना का हो, इसमें हाई इंटेंसिटी की तलाश करता है। कुल मिलाकर कहने का मतलब यह है कि सवाल रफ्तार का नहीं, निरंतरता का है। अगर फिल्में दर्शक को लगातार मानसिक और भावनात्मक तरीके से जोड़े रखती हैं, तो वह धीमी होकर भी प्रभावशाली हो सकती हैं, यह कोई ब्रह्म वाक्य नहीं है कि आज का दर्शक स्पीड और हाई इंगेजिंग ट्विस्ट वाली फिल्में ही देखना चाहते हैं। वे केवल एंटरटेनमेंट चाहते हैं। *

रोचक
शिखर चंद जैन

इन दिनों फ्रूट मार्केट में तरह-तरह के आम खूब मिल रहे हैं। इनका स्वाद तो लाजवाब होता ही है, इनसे जुड़े अतीत के कुछ किस्से भी बड़े दिलचस्प हैं।

आम से जुड़े ये किस्से हैं बेहद खास

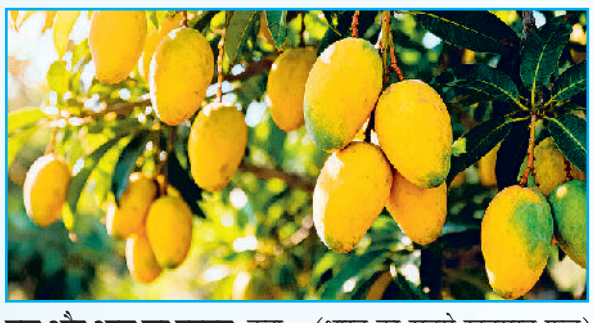

भारत में आम केवल एक फल नहीं, बल्कि संस्कृति, साहित्य इतिहास और राजनीति का एक अहम हिस्सा रहा है। सम्राटों से लेकर राजनेताओं और साहित्यकारों तक, आम की मिठास ने कई किस्सों को जन्म दिया है। हिंदी साहित्य में 'आम' न केवल फलों का राजा होने के कारण प्रसिद्ध है, बल्कि यह वसंत ऋतु, प्रेम, मादकता और कामदेव के प्रतीकों के रूप में भी बहुत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। प्राचीन संस्कृत साहित्य से लेकर आधुनिक हिंदी कविता और निबंधों तक, आम का बौर, उसकी खुशबू और मिठास कवियों और लेखकों की कल्पना का अभिन्न हिस्सा रही है। आम से जुड़े कुछ रोचक किस्से हैं, जो आज भी रस ले-लेकर सुने-सुनाए जाते हैं।

आम्रपाली और आम्रपाली आम का रिश्ताः बिहार की प्रसिद्ध नृत्यांगना और वैशाली की गणिका आम्रपाली, आम के पेड़ के नीचे शिशु रूप में मिली थी, इसलिए उसका नाम 'आम्रपाली' (आम के पत्ते) रखा गया। आम की एक लोकप्रिय किस्म 'आम्रपाली' का नामकरण उसी के नाम पर किया गया है।

बुद्ध और आम का उपवनः कहा जाता है कि आम्रपाली ने भगवान बुद्ध को अपने आम के बाग (आम्रवन) में आमंत्रित किया था और उन्हें वह बाग दान कर दिया था। आम्रपाली बाद में महात्मा बुद्ध की शिष्या बन गईं।

अमीर खुसरो का आम पर शेरः 13वीं सदी के महान कवि अमीर खुसरो ने फारसी में आम की प्रशंसा में कविताएं लिखी थीं। खुसरो ने आम को 'नगजा तरीन मेवाह हिंद' (भारत का सबसे खूबसूरत फल) कहा था।

अलाउद्दीन खिलजी की शाही दावत में आमः दिल्ली के सुल्तान रहे अलाउद्दीन खिलजी आम के दीवाने थे। कहा जाता है कि उन्होंने दिल्ली के 'कुश-ए-फिरोजी' में आम की कई किस्मों की एक शानदार दावत दी थी, जिसमें उन्होंने आम के साथ संगीत का शानदार कार्यक्रम आयोजित करवाया था।

आम का दीवाना बाबरः मुगल वंश के संस्थापक बाबर को आम इतना पसंद था कि उसने अपनी आत्मकथा 'तुजुक-ए-बाबरी' में आम का जिक्र किया है। कहा जाता है कि वह भारत में आम का स्वाद चखकर चकित रह गया था, क्योंकि यह फल मध्य एशिया के देशों में नहीं मिलता था।

अकबर का आम प्रेम और लाख बागः मुगल बादशाह अकबर आम का इतना शौकीन था कि उसने बिहार के दरभंगा में 1 लाख से अधिक आम के पेड़ों का बाग लगवाया था, जिसे 'लाखी बाग' कहा जाता था। उसने आम की कई उन्नत किस्मों को भी विकसित करने में सहायता दी थी।

मिर्जा गालिब की आम-दीवानगीः मशहूर शायर मिर्जा गालिब आम के बड़े दीवाने थे। वे कहते थे कि 'आम में बस दो ही खूबियां होनी चाहिए-वे मीठे हों और बहुत सारे हों।' एक किस्से के अनुसार, जब उनके दोस्त ने आम को नापसंद किया, तो गालिब ने नाराज होकर कहा था, 'गधे भी आम नहीं खाते।' *

भारत में हुई आम की उत्पत्तिः माना जाता है कि आम की उत्पत्ति दक्षिण-पूर्व एशिया और भारत में हुई, जहां 4000 वर्ष ईसा पूर्व हिंदू ग्रंथों में इस फल का उल्लेख मिलता है। बौद्ध भिक्षु भी इस फल की खेती करते थे। प्राचीन काल में बौद्ध भिक्षुओं और बाद में व्यापारियों तथा विदेशी यात्रियों के माध्यम से आम दक्षिण-पूर्व एशिया, मध्य पूर्व, अफ्रीका और अंततः दक्षिण अमेरिका तक पहुंचा।